उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू

साधारण सभा बैठक दिनांकः 26.02.2017 रविवार

वार्षिक प्रतिवेदन
माहः अप्रेल 2015 से मार्च 2016 तक

उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू

साधारण सभा बैठक (दिनांकः 26.02.2017 रविवार)

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	आजीविका कार्यक्रमः (अ) घरेलू आर्थिक सुरक्षा कार्यक्रम (HES) (ब) कशीदाकारी कार्यक्रम (स) गरीबी शमन परियोजना (एमपावर)	4—9
2	गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा कार्यक्रम	9—14
3	प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास (ECCD) प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं शिक्षा (ECCE)	14—17
4	जन्म लेने दो बेटियों को भी (LGBB)	17—18
5	स्वास्थ्य कार्यक्रम	19—21
6	आपदा प्रबन्धन कार्यक्रम (DRR)	21—22
7	बालसुरक्षा एवं बाल भागीदारी कार्यक्रम (ROC & Governance) चाईल्ड हेल्पलाइन 1098	22—24
8	पानी, पर्यावरण एवं स्वच्छता कार्यक्रम (WES)	25—26
9	स्पोन्सरशिप कार्यक्रम	27—30

दिनांक 26.02.2017 को होने वाली बैठक का एजेण्डा

- गत बैठक की पुष्ठी
- गत बैठक में तय कार्यों पर कार्यवाही
- कार्यक्रम प्रगति रिपोर्ट
- वर्ष 2015–16 की अंकेक्षित बैलेन्स शीट का अनुमोदन
- अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से

आजीविका कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	योग	
		संख्या	लाभार्थी
1	स्वयं सहायता समूह गठन	200	2658
2	स्वयं सहायता समूह बैठकें	713	8153
3	स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते खुलवाये	15	171
4	स्वयं सहायता समूह क्रेडिट लिंकेज	94	980
5	स्वयं सहायता समूह क्लस्टरों की बैठकें	13	212
6	नये गठित स्वयं सहायता समूहों के पदाधिकारियों के साथ पंचसूत्र विषयक सबसेन्टर स्तरीय एक दिवसीय आमुखीकरण प्रशिक्षण	8	529
7	फैडरेशन प्रक्रिया को लेकर क्लस्टर पदाधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण	22	69
8	स्वयं सहायता समूहों व किसान क्लबों के साथ सब्जी उत्पादन को आजीविका के रूप में स्थापित करने हेतु 2 दिवसीय प्रशिक्षण	1	25
9	स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ उद्यमिता विकास प्रशिक्षण	7	210
10	यूथ एडवाइजरी पैनल 5 दिवसीय प्रशिक्षण, दिल्ली (26–30 जून 2015)	1	2
11	युवा क्लब गठन	29	418
12	युवा क्लबों की बैठकें	45	681
13	युवा दिवस समारोह (12 जनवरी 2016)	1	300
14	प्रधानमन्त्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमन्त्री जीवन ज्योति बीमा योजना से जोड़ना	141	337
15	वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम, बज्जू	1	85
16	राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून–2013 की 2 सालों की प्रगति का संवाद कार्यशाला, दिल्ली (6–7 जुलाई 2015)	1	80
17	अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त 2015)	9	742
18	राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम, जयपुर के साथ समन्वयन बैठक	1	33
19	युवा क्लब गठन एवं सरकारी व्यावसायिक प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी देने के लिये स्टाफ का दो दिवसीय क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षण	1	45
20	ग्राम पंचायत स्तरीय युवा क्लब पदाधिकारियों का 2 दिवसीय आमुखीकरण प्रशिक्षण	1	23

1. **स्वयं सहायता समूहः (गठन व बैठकें, बैंक खाते एवं बैंक लिंकेज)** वर्ष के दौरान गांवों के प्रत्येक परिवार को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से बैंक से जोड़ने के लक्ष्य की पूर्ति के लिये 200 नये स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। इन 200 समूहों में कुल 2658 महिलाओं को जोड़ा गया। गठन बैठकों में समूह व बैंक से जुड़ने के फायदे, समूह के नियम, साधारण रिकॉर्ड संधारण, नियमित मासिक बचत, आजीविका के विभिन्न साधनों के माध्यम से महिलाओं के स्वावलम्बन आदि विषयों पर बातचीत की गई। इस वर्ष के दौरान 713 समूहों की बैठकें आयोजित की गई, जिनमें 8153 सदस्यो ने भाग लिया। इसके अलावा आदर्श के रूप में समूहों को स्थापित करने के लिये पंचसूत्रों के बारे में जानकारी दी गई। वर्ष के दौरान 15 समूहों के विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाये गये। इसके अलावा कुल 94 समूहों को बैंक से क्रेडिट लिंकेज करवाया गया और 28 लाख 25 हजार रूपये का ऋण दिलवाया गया।
2. **नये गठित स्वयं सहायता समूहों के पदाधिकारियों के साथ पंचसूत्र विषयक सबसेन्टर स्तरीय एक दिवसीय आमुखीकरण प्रशिक्षणः** नव गठित स्वयं सहायता समूहों के पदाधिकारियों के साथ सबसेन्टर स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। इस दौरान 182 समूहों की 529 पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणों में पंचसूत्र के रूप में समूह की नियमित बचत, आन्तरिक लेनदेन, मासिक बैठकों में सदस्यों की शत प्रतिशत उपस्थिति, क्रेडिट लिंकेज एवं समूह का नियमित रूप से रिकॉर्ड संधारण आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

3. **फैडरेशन प्रक्रिया को लेकर क्लस्टर पदाधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षणः** स्वयं सहायता समूहों को एक बड़े संगठन के रूप में संगठित करने के उद्देश्य से 22 क्लस्टरों के 69 पदाधिकारियों के साथ दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षणों में स्वयं सहायता समूहों से क्लस्टर व फैडरेशन में जाने की प्रक्रिया, बचत, बैंक लिंकेज, आजीविका की गतिविधियों से जुड़कर संगठन को आर्थिक रूप से सुदृढ करने आदि के बारे में जानकारी दी गई।
4. **स्वयं सहायता समूहों व किसान क्लबों के साथ सब्जी उत्पादन को आजीविका के रूप में स्थापित करने हेतु 2 दिवसीय प्रशिक्षणः** छिला कश्मीर, सुरजड़ा, गंगापुरा, गड़ियाला, गिराजसर, सियाणा, नेणिया, बज्जू व हिराई गांवों के महिला समूहों की महिलाओं व किसान क्लब के सदस्यों के साथ उन्नत कृषि एवं सब्जी उत्पादन से जीविकोपार्जन विषयक दो दिवसीय प्रशिक्षण, बज्जू में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के डॉ. इन्द्रमोहन वर्मा ने मानव पोषण में सब्जियों के योगदान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि भारत की कृषि आधारित अर्थ व्यवस्था में सब्जी उत्पादन एक अत्यन्त महत्वपूर्ण घटक है। भूमि उपयोग सुधारने, फसल विविधता को बढावा देने, रोजगार के अवसर बढाने व देशवासियों को पोषण सुरक्षा प्रदान करने में सब्जी क्षेत्र की अपनी अलग उपयोगिता है। सब्जियों से हमें खाद्य रेशा, खनिज, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट, वसा व प्रोटीन जैसे आवश्यक तत्व मिलते हैं। उन्होंने देश में फैले कुपोषण में विटामिन–ए की कमी तथा रक्त में लौह व आयोडीन की कमी को प्रमुख कारण बताते हुए कहा कि हरी सब्जियों के सेवन से हम अपने बच्चों को कुपोषण जैसी गम्भीर समस्या से निजात दिला सकते हैं।
5. **स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ उद्यमिता विकास प्रशिक्षणः** स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आयजनक गतिविधि से जोड़ने के उद्येश्य से नाबार्ड के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ 13 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण आयोजित किये गये। इसके अन्तर्गत डण्डकला व 7 ए.डी. में कशीदाकारी, खारी चारणान व गजनेर में खाद्य प्रसंस्करण, घण्टियाली व सियाणा में सिलाई एवं झझू में पशुपालन प्रशिक्षण आयोजित किये गये। इन सभी 7 प्रशिक्षणों में कुल 210 महिलाओं को इन प्रशिक्षणों से लाभान्वित किया गया।
6. **यूथ एडवाइजरी पैनल 5 दिवसीय प्रशिक्षण, दिल्ली (26–30 जून 2015):** प्लान इण्डिया द्वारा यूथ एडवाईजरी पैनल के लिये युवा समूहों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 26 से 30 जून 2015 तक आयोजित इस प्रशिक्षण में समाज के समेकित विकास में युवा वर्ग की भूमिका, व्यावसायिक कौशल हेतु सरकार द्वारा संचालित विभिन्न संस्थानों से युवाओं को जोड़कर स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना एवं देश में युवाओं की स्थिति के बारे में संवाद हुए। कोलायत ब्लॉक के गिराजसर गांव का ओमप्रकाश गर्ग का चयन, नेशनल एडवाईजरी पैनल के लिये हुआ है।
7. **युवा क्लब गठन एवं मासिक बैठकें:** इस वर्ष के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर कुल 29 युवा क्लबों का गठन किया गया। प्रत्येक क्लब में 18 से 29 आयुवर्ग के 10 से 15 युवाओं को शामिल किया गया और उनके साथ रोजगार व स्वरोजगार हेतु सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की गई। युवा क्लबों की मासिक बैठकों में मुख्य रूप से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बीकानेर (आर–सेटी) द्वारा संचालित विभिन्न रोजगार व स्वरोजगार प्रशिक्षणों के बारे में चर्चा करके विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई और युवाओं को आवेदन हेतु प्रेरित किया गया। युवा क्लब पदाधिकारियों के प्रशिक्षण एवं मासिक बैठकों में दी गई। जानकारी के परिणामस्वरूप दिसम्बर माह में कुल 11 युवाओं ने विभिन्न प्रशिक्षणों के लिये आवेदन प्रेषित किये– सोलर होमलाईट मरम्मत प्रशिक्षण, मोबाइल मरम्मत एवं मोटरसाइकिल मरम्मत प्रशिक्षणों हेतु आवेदन, विभाग को प्रेषित किये गये।
8. **युवा दिवस समारोहः** दिनांक 12 जनवरी 2016 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर युवा दिवस का आयोजन हदां की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 9 से 12वीं तक के छात्र छात्राओं के साथ किया गया। इस अवसर पर संभागियों को युवा दिवस मनाने के उद्देश्यों, सरकार के कौशल भारत मिशन, युवाओं के लिये सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित व्यावसायिक प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी गई।
9. **प्रधानमन्त्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमन्त्री जीवन ज्योति बीमा योजना व अन्य योजनाओं से जोड़नाः** राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक द्वारा 4 शाखाओं में आयोजित वित्तीय साक्षरता अभियान के दौरान कुल 141 लोगों को भारत सरकार की प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से लाभान्वित किया गया। आरएमजीबी की खारी चारणान शाखा में 5 लोगों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं 2 लोगों को अटल पेन्शन योजना से लाभान्वित किया गया। हदां में राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक की शाखा द्वारा खाखूसर गांव के श्री हड़मानसिंह की मृत्यु होने पर उनकी पत्नी श्रीमती बबीता कंवर को 2 लाख रूपये के क्लेम का चैक सौंपा गया।

10. **वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम, बज्जू:** उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू द्वारा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से 10 जुलाई 2015 को बज्जू संस्था परिसर में वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 85 लोगों ने भाग लिया, जिनमें संस्था के स्टाफ के अलावा किसान, उरमूल स्कूल में अध्ययनरत बच्चों के अभिभावकों व बज्जू एवं आसपास के गांवों से गणमान्य नागरिक थे।
कार्यक्रम में नाबार्ड, बीकानेर के जिला विकास प्रबन्धक भूपेन्द्र कुमावत ने नाबार्ड की विभिन्न अनुदानित योजनाओं जैसे 33 प्रतिशत अनुदान के साथ किसान क्लब योजना, स्वयं सहायता समूह, संयुक्त देयता समूह, डेयरी उद्यमिता विकास योजना एवं मिनी डेयरी (बड़ा कूलर, फ्रीज वैन, वर्मी कम्पेस्ट व मिल्क आउटलेट), एग्री मार्केटिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर स्कीम के तहत् प्रोसेसिंग यूनिट, डी कोटिंग मशीन व सोलर वाटर पम्प योजना के बारे में जानकारी दी और इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिये प्रेरित किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री जन–धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना व प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रकार की योजनाओं से आम जन का जीवन सुरक्षित होता है। अग्रणी बैंक एसबीबीजे के मुख्य प्रबन्धक सी.के. शर्मा ने बैंक की विभिन्न बचत व ऋण योजनाओं जैसे किसान क्रेडिट कार्ड, समय पर ऋण का भुगतान करने के फायदों एवं भारत सरकार की विभिन्न क्रेडिट लिंकेज योजनाओं के बारे में जानकारी दी। संस्था के चेयरमैन अरविन्द ओझा ने ग्रामीण विकास के लिये कार्यरत नाबार्ड व विभिन्न बैंकों के अधिकारियों का आभार करते हुए कहा कि आम जन को आर्थिक, सामाजिक व पारिवारिक रूप से सशक्त करने में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, अतः हम सभी मिलकर ग्रामीणों को विभिन्न अनुदानित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिये कार्य करें।
11. **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून–2013 की 2 सालों की प्रगति का संवाद कार्यशाला, दिल्ली (6–7 जुलाई 2015):** राजस्थान में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून, 2 अक्टूबर 2013 को लागू किया गया था। गत 2 वर्षों में कानून के अन्तर्गत प्रावधानों को लागू करने की स्थिति का पता लगाने एवं इसके क्रियान्वयन का विश्लेषण करने के लिये दिल्ली में दिनांक 6 व 7 जुलाई 2015 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। बीकानेर जिले व कोलायत ब्लॉक में मिड डे मील, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी.डी.एस.), आंगनबाड़ी पर मिलने वाले पूरक पोषाहार व कानून के अधीन आने वाले लाभान्वितों तक लाभ पहुंचने की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
12. **अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त 2015)**: कोलायत व चिमाणा क्षेत्र के 9 गांवों में 742 युवाओं के साथ युवा कौशल एवं आजीविका व ग्राम पंचायत के विकास में युवा वर्ग की भागीदारी के विषयों पर समझ बनाने के उद्येश्य से अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया।
13. **राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आर.एस.एल.डी.सी.), जयपुर के साथ समन्वयन बैठक**: उरमूल परिवार (बज्जू, लूणकरणसर, फलौदी व जायल) एवं राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम के समन्वयन से क्षेत्र के युवाओं के लिये रोजगार व स्वरोजगार के साधन उपलब्ध करवाने के उद्येश्य से दिनांक 19 अगस्त 2015 को जयपुर कार्यालय में एक समन्वयन बैठक रखी गई और संस्था के संसाधनों व क्षमताओं के बारे में प्रस्तुतिकरण किया गया। इस बैठक में संस्था द्वारा मोबाइल मरम्मत, घरेलु उपकरणों की मरम्मत, सिलाई व कशीदाकारी के कुल 4 प्रशिक्षण कोर्स के लिये प्रस्ताव हेतु तय किया गया।
14. **युवा क्लब गठन एवं सरकारी व्यावसायिक प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी देने के लिये स्टाफ का दो दिवसीय क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षण:** प्लान के थिमेटिक उद्देश्यों के अन्तर्गत युवाओं के वर्तमान परिदृश्य व देश मे उनके लिये रोजगार हेतु कार्य किया जाना तय किया गया है। इसके लिये संस्था के स्टाफ के साथ युवा कौशल के आंकड़े भी शेयर किये गये। पीओ में इस वर्ष प्रस्तावित गतिविधियों में राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी) द्वारा संचालित युवा कौशल के प्रशिक्षणों के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान टीम बिल्डिंग के लिये दो गतिविधियां भी करवाई गई।
15. **ग्राम पंचायत स्तरीय युवा क्लब पदाधिकारियों का 2 दिवसीय आमुखीकरण प्रशिक्षण**: इस माह युवा क्लबों के पदाधिकारियों के साथ दो दिवसीय आमुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें नाबार्ड, आरसेटी, आरएसएलडीसी व कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा विभिन्न रोजगार व स्वरोजगार की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान कुल 8 युवाओं ने आरसेटी में प्रशिक्षणों के लिये आवेदन किया।

महिलाओं का आयवर्द्धन कार्यक्रम–कशीदाकारी

संस्था द्वारा पाक विस्थापित महिलाओं की परम्परागत कला ''कशीदाकारी'' के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने व स्वावलम्बी बनाने के लिये वर्ष 1991 से आयवर्धन कार्यक्रम की शुरुआत की गई। वर्तमान में इस कार्यक्रम से कोलायत ब्लॉक के डण्डकला, छिला कश्मीर, बिजेरी, पूगल ब्लॉक के 2 डी.ओ., डेलीतलाई, 2एडी, 6एडी, 7एडी, 8एडी, 9एडी, व 1बीडी की 550 महिलायें जुड़कर आयसृजन कर रही हैं।

क्र.सं.	विवरण	राशि
1	कुल बिक्री	23,30,380.00
2	प्रारम्भिक रहतिया	19,40,880.00
3	अन्तिम रहतिया	28,08,160.00
4	पार्टी का भुगतान बकाया	5,71,687.00
5	पार्टी से कुल लेनदारियां	7,26,610.00
6	उत्पादन व्यय	26,32,446.00
7	मार्केटिंग व्यय	9,33,088.00
8	प्रशासनिक व्यय	10,60,153.00

बाजार व्यवस्था – प्रदर्शनियाँ

1– दस्तकार–दिल्ली
2– दस्तकारी हाट समिति,–दिल्ली
3– सनतकदा–लखनऊ
4– महिला एवं बाल विकास–जयपुर
5– सम्पूर्ण, बैंगलोर

अन्य

1. फेब इण्डिया बाजार व्यवस्था में रंगसूत्रा
2. खुली बिक्री– अभिव्यक्ति शोरुम, वसुन्घरा शोरुम

पश्चिमी राजस्थान गरीबी शमन परियोजना (एमपॉवर)

राजस्थान सरकार के गरीबी उन्मूलन के विभिन्न कार्यक्रमों की कड़ी में पश्चिमी राजस्थान गरीबी शमन परियोजना, जोधपुर संभाग के प्रत्येक जिले के एक–एक निर्धनतम ब्लॉकों में वर्ष 2009 से प्रारम्भ की गई। जोधपुर जिले के लिये बाप ब्लॉक का चयन किया गया। परियोजना के अन्तर्गत चयनित ब्लॉकों की गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाली शत–प्रतिशत जनसंख्या का बहुआयामी कार्यक्रमों/गतिविधियों के जरिये काया कल्प करने का लक्ष्य निर्धारित है।

परियोजना के उद्देश्य–

1. अकाल के प्रभावों को कम करना तथा जल सुरक्षा का उचित प्रबन्ध करना।
2. लक्षित वर्ग के लिये आजीविका के नये अवसर सृजित करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना।
3. उत्पादकता में नवाचार तथा गुणात्मक सुधार।
4. उत्पादों के लिये बाजार लिंक सुनिश्चित करना।
5. महिलाओं–पिछड़ों तथा निराश्रितजनों का सशक्तिकरण कर समाज की मुख्य धारा में लाना।
6. राज्य सरकार की अन्य योजनाओं के निवेश के साथ सम्मिलन (convergence) करके ठोस एवं संतुलित विकास का मार्ग प्रशस्त करना।

परियोजना की मुख्य गतिविधियॉ

1. **बुनियादी सामुदायिक संस्थाओं का सशक्तिकरणः** इस गतिविधि के अन्तर्गत लक्षित समूहों में जेण्डर, सामाजिक, आर्थिक, वित्तीय एवं विकासशीलता को सम्मिलित करते हुए समुदाय आधारित संस्थाओं जैसे–स्वयं सहायता समूह, मार्केटिंग समूह, ग्राम विकास संगठन आदि को संगठित कर उन्हें सशक्त बनाया जा रहा है। साथ ही साथ अकाल के प्रभाव को कम करने हेतु मेड़बन्दी, खेत तलाई, मृदा सुधार हेतु गतिविधियॉ, उद्यानिकी, कुओं का निर्माण, बूंद बूंद सिंचाई को बढ़ावा, पौधारोपण आदि सुविधायें विकसित करना।
2. **परियोजना प्रबन्धनः** राज्य स्तर पर परियोजना के समन्वयन हेतु ग्रामीण विकास के अधीन परियोजना समन्वयन इकाई एवं जोधपुर में संभागीय आयुक्त के अधीन राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई स्थापित की गई है तथा संबंधित सभी जिलों में ब्लॉक स्तर पर जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई की स्थापना की गयी है। कार्यक्रम का क्रियान्वयन गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है। **राज्य स्तर पर राज्य परियोजना संचालन समिति**–माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की अध्यक्षता में गठित की गयी है। **संभाग स्तर पर परियोजना संचालन समिति** गठित की गयी जिसमें संभागीय आयुक्त एवं सम्बन्धित जिला कलक्टर इसके सदस्य हैं। **जिला स्तर पर जिला परियोजना समन्वयन समिति** गठित की गयी है जिसमें जिला कलक्टर एवं जिला स्तरीय अधिकारी इसके सदस्य हैं। **ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत विकास समिति** गठित है जिसमें सरपंच, ग्रामसेवक, कृषि पर्यवेक्षक इसके सदस्य हैं । **ग्राम स्तर पर ग्राम विकास समिति** का गठन किया गया है जिसमें गॉव के समस्त स्वयं सहायता समूहों के अध्यक्ष सदस्य हैं।
3. **आजीविका समर्थनः** आजीविका सृजन की समस्या बहुआयामी है इसलिये आजीविका सुधार कार्यक्रमों में अनेक सुधारात्मक पहलुओं का समावेश कर इस गतिविधि में लक्षित समूहों को आयसृजनात्मक गतिविधियों से लाभान्वित किया जा रहा है। वर्तमान में परियोजना द्वारा निम्न आयसृजनात्मक गतिविधियॉ की जा रही हैं–

- **बकरी आधारित आजीविका कार्यक्रम–** इस कार्यक्रम के तहत परियोजना क्षेत्र की 8 ग्राम पंचायतों (लूणा, चाखू, चिमाणा, घंटियाली, रोहिणा, बूंगड़ी, चाम्पासर, नोखड़ा भाटियान) के 700 परिवारों को लाभान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में ऐसे परिवारों का चयन किया गया जिनके पास कम से कम 2 बकरियॉ एवं अधिकतम् 5 बकरियॉ हों। इन परिवारो के सदस्यों को बकरी आधारित आजीविका से सम्बन्धित 3 प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं जिनमें–कार्यक्रम का आधार व पूर्ण जानकारी, स्वास्थ्य प्रबन्धन, बाजार सम्पर्क आदि मुद्दे शामिल किये गये।
- **वर्षा आधारित कृषि उत्पादन कार्य–** इस कार्यक्रम के अन्तर्गत परियोजना क्षेत्र के 700 किसानों के साथ पारम्परिक कृषि के साथ–साथ नवीन तकनीकी बीजों का समावेश किया है जिनमें बाजरा, मूंग, मोठ, ग्वार व तिल। इन बीजों का बीजान से पूर्व बीजोपचार करके जमीन को लाईन से लाईन बुवाई के तरीके से बीजान करवाया गया। प्रत्येक किसान को उनके पारम्परिक खेती व बीजोपचार व लाईन से बीजान करके प्राप्त फसल का प्रदर्शन करवाया। दोनों तरीकों से प्राप्त अनाज का विश्लेषण करवा कर किसानों को उनसे होने वाले फायदे के बारे में जानकारी देकर लाभान्वित किया जा रहा है।
- **डेयरी एवं पशुपालन विकास कार्यक्रम–** यह कार्यक्रम परियोजना के अन्तर्गत बनाये गये समूहों के सदस्यों, जिनके पास न्यूनतम एक गाय हो, के साथ प्रारम्भ किया गया है। इस कार्यक्रम में गायों के स्वास्थ्य, चारा, रख–रखाव व उन्नत नस्ल, समय पर टीकाकरण आदि का प्रशिक्षण देकर डेयरी आजीविका समूहों का निर्माण किया जायेगा।
- **बागवानी कार्यक्रम–**इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उन परिवारों का चयन किया गया जिनके पास स्वयं का पानी टॉका हो। टॉके के पास 1 बीघा जमीन में 50 फलदार पौधों (बेर, गुन्दा व नीम्बू) को दिया गया है इन पौधों से तीसरे वर्ष में फलों का उत्पादन लिया जायेगा। ये पौधे वर्ष पर्यन्त फल देंगे तथा परिवार की आजीविका का साधन होगा।
- **स्वयं सहायता समूहों का संस्थागत विकासः** एम्पावर के तहत जोधपुर के बाप ब्लॉक के 40 स्वयं सहायता समूहों को परियोजना प्रबन्धन के अनुसार बैंकों से जोडा गया। सरकार की योजना के अनुसार इन स्वयं सहायता समूहों की महिलाओ को आन्तरिक लेनदेन के लिये प्रेरित करके अपनी आमदनी और भविष्य को सुनिश्चित करने को लेकर काम किया।
- **नेतृत्व विकास प्रशिक्षण एवं वितीय साक्षरताः** वर्ष के दौरान समूहों की 40 समूहों की 400 महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये समुह का नेतृत्व विकास हेतु प्रशिक्षण आयोजित किये गये। इसके अलावा महिलाओं को बचत करने के

आयामो के बारे में जानकारी देने और अपनी आय का सूक्ष्म हिस्सा बचाकर एक समुह के तहत उसको बडी रकम के रूप में उपयोग करने के बारे में स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिया गया।

- **आजीवीका ओर क्रेडिट योजनाः** एम्पावर के तहत इस वर्ष में आजीविका के माध्यम से 800 महिलाओं को बैंक से अपनी बचत के आपसी लेनदेन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई जिससे महिलायें अपनी आजीविका को सुनिश्चित कर पायें।
- **जेण्डर प्रशिक्षणः** इस प्रशिक्षण के दौरान निचले स्तर के भेदभाव को लेकर बातचीत की गई। प्रशिक्षण के दौरान पाया गया कि महिलाओं ने इस मुद्दे पर अपने समुह में साहस के साथ विस्तार से चर्चा की। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं में लिंग भेदभाव को दूर करने के लिये सक्रिय भागीदारी सामने आयी।

शिक्षा कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	योग	
		संख्या	लाभार्थी
1	हर बालकः एक वैज्ञानिक	5	240
2	समुदाय के साथ ड्रॉप आउट को लेकर बैठक	4	85
3	स्कूल विजिट	47	7746
4	सामुदायिक संगठनों, किशोरों एवं अभिभावकों के साथ बैठक	15	346
5	26 जनवरी 2015 पर्व व उत्सव	71	8875
6	जीवन कौशल प्रशिक्षण	7	619
7	विज्ञान कार्यशाला	3	180
8	कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला	6	934
9	किशोरी प्रेरणा मंच,बाल मण्डल, किशोर मंडल के साथ बैठक	2	34
10	मीना मंच बैठक	4	90
11	भयमुक्त शिक्षा एवं सकारात्मक अनुशासन कार्यशाला	4	116
12	जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक	3	57
13	जिला स्तर पर आपसी समन्वयन को लेकर कार्यशाला	2	41
14	अंग्रेजी प्रशिक्षण फोलोअप	5	536
15	बाल मण्डल, किशोर मण्डल एवं किशोरी प्रेरणा मंच के साथ बैठकें	24	802
16	बाल प्रतिनिधियों के साथ बैठकें	8	162
17	सुझाव पेटी को लेकर कार्य करना	80	12400
18	जन प्रतिनिधि के साथ प्रशिक्षण	1	14
19	स्तर जाँच	9	198
20	शाला विकास योजना प्रपत्र	11	2475
21	शाला प्रबंधन समिति की बैठक	52	753
22	स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ बातचीत	7	149
23	नव प्रवेशित बच्चों की सूची बनाना	1	3783
24	जिला स्तरीय केजीबीवीएस समन्वयन बैठक	1	27
25	केजीबीवी वार्षिकोत्सव	5	529
27	विज्ञान कार्यशाला	1	91
28	शैक्षिक सर्वे	21	21
29	ग्राम सभा	4	135
30	विशेष दिवसों का आयोजन	6	567
31	बाल सभा में भागीदारी	3	600
32	स्पोन्सर्ड परिवारों की विजिट	80	400

33	विज्ञान लेब, पुस्तकें एवं खेल सामग्री का वितरण	5	2000
34	बैनर वितरण	21	6800
35	खाद्य सुरक्षा कानून विषयक कार्यशाला, बीकानेर	1	113
36	इन्सीलेटर मशीन	1	60
37	शिक्षा का अधिकार कानून विषयक बैठक	1	501

1. **हर बालक एक वैज्ञानिकः** संस्था द्वारा तीन दिवसीय गैर आवासीय कार्यशाला का आयोजन राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, दियातरा में कक्षा 6 से 8 के 58 छात्र–छात्राओं, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, थूम्बली में में 50 छात्र–छात्राओं के साथ और राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, बज्जू तेजपुरा में 75 छात्र–छात्राओं के साथ विज्ञान के प्रयोग को लेकर कार्य किया गया। इस तरह से कक्षा 6 से 8 तक के कुल 178 छात्र–छात्राओं के साथ विद्युत चुंबक, हैण्ड पंप, वायु व जल दाब, ध्वनि यंत्र, ऊष्मा, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, पशु धन, कैकेक्सो स्कोप बनाना, वर्षा मापी यंत्र, धरती की तीनों अवस्थाओं के बारे में, परावर्तन के नियम तथा इसके बाद सभों बच्चों को प्रोजेक्ट वर्क आदि कार्य इस कार्यशाला के माध्यम से कराने का कार्य किया गया। इस कार्यशाला से बच्चों को विज्ञान विषय की बारीकियों को आसानी से समझने का भी पूरा मौका मिला।
2. **समुदाय के साथ ड्रॉप आउट को लेकर बैठकः** चिमाणा सेंटर में 2 बैठकों में 52, दियातरा व गड़ियाला मेंआयोजित एक–एक बैठक में 37 लोगों ने भाग लिया। जिनमें 6 स्पोंसर परिवार के सदस्य भी थे। इन बैठकों में स्कूल में बच्चों के नामांकन युक्त ठहराव को लेकर तथा किसी ही तरह से बच्चों का स्कूल से ड्रॉप आउट नही हो, इसको लेकर बातचीत हुई। इस कार्य के लिए ग्राम स्तरीय कमेटियों को पूरी भागीदारी के साथ जिम्मेदारी दी गई। भेलु सेंटर के सभी गांवो से 14 बच्चो को शिक्षा से जोड़ने पर बल दिया गया।
3. **स्कूल विजिटः** कोलायत व बाप ब्लॉक के शिक्षकों के साथ मासिक विजिट की गई। इस विजिट के दौरान बज्जू में 4, गड़ियाला में 3, सियाणा में 4 व चिमाणा में 4 कुल 15 सरकारी स्कूलों की विजिट की गई। इस विजिट के माध्यम से 2602 बच्चों को शिक्षा में गुणवत्ता, नामांकन युक्त ठहराव को लेकर तथा किसी ही तरह से बच्चों का स्कूल से ड्रॉप आउट नहीं हो, इसको लेकर बातचीत हुई। इसके बाद निर्णय किया गया कि इसमें शिक्षक अपनी अहम भूमिका निभा सकते है।सभी की राय को जानने के बाद यह निर्णय किया गया कि इसमें शिक्षक अपनी अहम भूमिका निभा सकते है। 100 प्रतिशत ठहराव को सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।
4. **सामुदायिक संगठनों, किशोरों एवं अभिभावकों के साथ बैठकः** उरमूल/प्लान के 8 सबसेंटरों के गांवों के समुदाय के साथ बैठकें की गई। इन बैठकों के माध्यम से किसी भी कारण से शिक्षा से वंचित सभी बच्चों को जोड़ने का कार्य शिक्षा से वंचित 462 बच्चों को आधार मानकर किया गया। सभी से निवेदन किया गया कि इस कार्य में समुदाय स्तरीय सारे संगठन एक साथ मिलकर कार्य करेंगे तो इसके सुखद परिणाम अवश्य मिलेंगे।
5. **26 जनवरी 2015 पर्व व उत्सवः** उरमूल प्लान के 71 गाँव के स्कूलों के साथ 8875 छात्र–छात्राओं, अभिभावकों व जन प्रतिनिधियों के साथ गणतन्त्र दिवस को एक उत्सव के रूप मे मनाया गया। इस अवसर पर उरमूल ने सभी नये सरपंचों व वार्ड पंचों का स्वागत किया गया। सभी को इस बात का एक संदेश दिया गया कि सभी लोग एक साथ मिलकर सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ें,कोई भी 6 से 14 साल का बच्चा शिक्षा से वंचित नही रहे। इस पर्व के माध्यम से इस बात का भी संदेश देने का प्रयास किया गया कि प्लान क्षेत्र के 50 स्कूलों में सुझाव पेटी वितरण का जो कार्य किया गया है, इसे अनिवार्य रूप से आरटीई 2009 के प्रावधान के अनुसार लागू करना तथा सभी बच्चों को भय व हिंसामुक्त गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का लाभ दिलाना किस तरह से सुनिश्चित किया जाए।इस कार्य में जन समुदाय की भूमिका को भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया गया है।
6. **जीवन कौशल प्रशिक्षणः** माह फरवरी 2016 में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की 52 किशोरियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बेहतर जीवन के लिये आवश्यक कौशल की समझ विकसित करना, अभिव्यक्ति में निखार लाना, नेतृत्व क्षमता विकास व स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना था। प्रशिक्षण के दौरान जीवन कौशल की परिभाषा, रिश्ते, रिश्तों में टकराहट व मजबूतियां, रीति रिवाज, किशोरावस्था में बदलाव व मासिक धर्म, सम्प्रेषण व समस्या समाधान आदि मुद्दों पर समझ बनाई गई।

7. **विज्ञान कार्यशाला**: इस कार्यशाला के माध्यम से विज्ञान विषय में आ रही बाधाओं को दूर करने का प्रायोगिक प्रयास किया गया। इस प्रकार के नवाचारों से स्कूली छात्र छात्राओं को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। कार्यशाला के दौरान चुम्बक, जीवन चक्र, विद्युत बनाना, हाईड्रोलिक जैक, टेलीस्कोप आदि का प्रयोग करके बच्चों को जानकारी दी गई।
8. **कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला**: क्षेत्र के 6 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में एक दिवसीय कैरियर काउंसलिंग कार्यशालाओं का आोजन किया गया, जिनमें मुख्य रूप से बच्चों की योग्यता के अनुसार उनको अपने जीवन में आगे बढने के लिये कार्यक्षेत्र के चयन को पुख्ता समर्थन कैसे मिले व इसमें किस प्रकार की सावधानियों का ध्यान रखा जाये। कार्यशाला को विस्तार देने के लिये आईटीआई के व्याख्याता, वरिष्ठ शिक्षक, स्कूलों के प्रधानाध्यापक व व्याख्याता आदि ने सहयोग किया।
9. **किशोरी प्रेरणा मंच, बाल मण्डल, किशोर मंडल के साथ बैठक**: किशोरी प्रेरणा मंच, बाल मण्डल, किशोर मंडल के साथ बैठक गोकुल व गड़ियाला के 34 सदस्यों के साथ आयोजित की गई। इसबैठक के माध्यम से शिक्षा से वंचित सभी बच्चों को शिक्षा से जाड़ने को लेकर विस्तार से चर्चा करके भागीदारी बढाने की बात पर बल दिया गया।
10. **मीना मंच बैठक**: जनवरी 2015 माह में साखला बस्ती,दियातरा,नोखड़ा व गोविंदसर में मीना मंच की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में बालिका शिक्षा, ड्रॉप आउट, शिक्षा से वंचित, शाला स्वास्थ्य शिक्षा,पोषण आदि विषय को लेकर विस्तार से बातचीत करके जागरूक किया गया। इस समूह की सारी बालिकायें, अन्य बालिकाओं के साथ प्रत्येक क्षेत्र में सहयोगी भूमिका अदा करेगी। शिक्षा में हो रहे नवाचारों को भी बल मिलेगा।
11. **भय मुक्त शिक्षा एवं सकारात्मक अनुशासन कार्यशाला**: दिनांक 31 दिसम्बर–01 जनवरी 2015 को सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र, चिमाणा व 23–24 जनवरी 2015 को राजकीय प्राथमिक विद्यालय, गिराजसर में दो दिवसीय भयमुक्त शिक्षा एवं सकारात्मक अनुशासन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कोलायत ब्लॉक के ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी श्री ओमप्रकाश चौहान, संदर्भ व्यक्ति श्री मधुसूदन चौहान व श्री सुभाष यादव ने भाग लिया। सभी ने इस बात की शपथ ली कि हम स्कूल में किसी भी प्रकार की हिंसा न करेंगे तथा न ही होने देंगे। कार्यशाला में ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी, कोलायत ने कहा कि सभी शिक्षक अपनी स्कूल को भय व हिंसामुक्त करें तथा सभी शिक्षकों को शैक्षिक उन्नयन के लिए गुणवत्ता के साथ करना चाहिए। सन्दर्भ व्यक्ति ने सभी शिक्षको को निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा कानून 2009 को लेकर विस्तार से जानकारी प्रदान दी। इस कानून को लेकर जो कठिनाइयो पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी शिक्षकों को स्कूल आने वाले बच्चों को अच्छी तरह से शिक्षित करने पर बल दिया। इस बात पर भी बल दिया गया कि बच्चों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता के साथ समझौता नही करें और शैक्षिक उन्नयन में हमें शिक्षा में भय व हिंसा को कोई भी स्थान नहीं देना चाहिए। सभी बच्चों को आनंददायी शिक्षा पर बल देने पर ही विचार करना चाहिए।
12. **जन प्रतिनिधियों के साथ दो दिवसीय प्रशिक्षण**: सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र,चिमाणा पर चिमाणा व घंटियाली के 13 जन प्रतिनिधियों के साथ दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी को अपनी भूमिका व दायित्व को कैसे निर्वाह करे, किस तरह से आगे आकर काम करना चाहिए आदि बातों पर विस्तारपूर्वक बातचीत की गई तथा उन सब की राय को भी जाना गया। समुदाय की भी भूमिका को लेकर किस तरह से काम किया जाए आदि पर कार्य किया गया।
13. **जिला स्तर पर आपसी समन्वयन को लेकर कार्यशाला**: उरमूल सीमांत समिति व सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तर पर दिनांक 2 फरवरी 2015 को बीकानेर में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें केजीबीवी, बीकानेर के 5 प्रधानाध्यापकों व उरमूल सीमांत समिति के 9 कार्मिक व समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान जिला बीकानेर प्रभारी, सर्व शिक्षा अभियान बालिका शिक्षा प्रभारी व अन्य सह प्रभारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के माध्यम से विशेष रूप से 8वीं की बोर्ड परीक्षा तैयारी के रूप में भी देखा गया। इस माह में हो रहे बालिका शैक्षिक मेले, जीवन कौशल प्रशिक्षण व अँग्रेजी विषय पर कक्षागत शिक्षण को भी देखने की बातचीत की गई।
14. **अंग्रेजी प्रशिक्षण फोलोअप**: अतिरिक्त परियोजना समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान, बीकानेर के आदेशों की पालना में तथा उरमूल सीमान्त समिति बज्जू के शिक्षा समन्वयक के निर्देशानुसार बीकानेर जिले में चल रहे कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं एवं शिक्षिकाओं को अंग्रेजी शिक्षण में आ रही कठिनाईयों का निवारण करने तथा शैक्षिक सम्बलन देने हेतु सन्दर्भ व्यक्ति के रुप में कार्य करने का अवसर मिला।
15. **बाल मण्डल, किशोर मण्डल व किशोरी प्रेरणा मंच के साथ बैठकें**: सुरजडा के 136 में 24 स्पोंसर, दियातरा से 25, भेलू से 6 में से 1 स्पोंसर, गड़ियाला से 84 कुल 251 लोगों के साथ कक्षा 3 से 5 तक के बच्चों की शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,

कार्य करने की विधा को लेकर बैठकें की गई। इस प्रकार के कार्य से शिक्षा में गुणवत्ता अवश्य आएगी व बच्चों को बहुत अधिक लाभ मिलेगा। 24 मीटिंग में कुल 802 बाल मण्डल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

16. **बाल प्रतिनिधियों के साथ बैठक**: सियाणा, भेलू, चिमाणा व गोकुल के 71 बाल प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। इस बैठक में उक्त बाल प्रतिनिधियों में अपनी भूमिका, जिम्मेदारी व दायित्व आदि के बारे में समझ को पक्का किया गया। अब भविष्य में ये बाल प्रतिनिधि अपनी भूमिका को अच्छी तरह से निभा सकेंगे। शाला प्रबंधन समिति में अपनी भूमिका को लेकर भी बातचीत हुई। सुरजड़ा सेंटर के चार गाँवों में बाल समूहों के साथ आयोजित बैठकों में कुल 191 सदस्यों ने भाग लिया। इन बैठकों में 15 स्पोन्सर परिवार के बच्चों ने भाग लिया। इस मीटिंग के माध्यम से शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा से जोड़ने को लेकर विस्तार से चर्चा करके भागीदारी बढाने की बात पर बल दिया गया।
17. **सुझाव पेटी को लेकर कार्य करना**: सभी सरकारी स्कूलों में सुझाव पेटियों के उपयोग को लेकर कार्य किया गया। इसके लिए शिक्षा विभाग की ओर से ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने भी अपने स्तर पर आदेश देकर इस व्यवस्था को मजबूती देने का कार्य किया। इसका असर यह रहा कि सभी 80 स्कूलों में 12,400 बच्चों के प्रति हिंसा में कमी आई है। बच्चे अब बिना किसी डर के अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। बच्चों का मनोबल भी बढ़ा है। स्कूल के ज्यादातर बच्चे अपनी बात को शिक्षक व अभिभावकों तक भी पहुंचाने लगे हैं।
18. **जन प्रतिनिधि के साथ प्रशिक्षण:** उरमूल सीमांत समिति परिसर में 14 जनप्रतिनिधि, शाला प्रबंधन समिति आदि के साथ एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 18 अप्रैल 2015 को किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी को अपनी भूमिका व दायित्व को कैसे निर्वाह करे, किस तरह से आगे आकर शिक्षा में हो रहे नवाचारों, शिक्षा से वंचित बालक–बालिकाओ को अनिवार्य रूप से 100 प्रतिशत शिक्षा से जोड़ने के लिए सार्थक प्रयास करने को अपने गाँव में लागू करके काम करना चाहिए, आदि बातों पर विस्तारपूर्वक बातचीत की गई तथा उन सबकी राय को भी जाना गया। समुदाय की भूमिका को लेकर कार्य करने के बारे में चर्चा की गई।
19. **स्तर जाँच**: गोदारों की ढाणी, कांटियों की ढाणी, सेठिया बास, खारिया पतावतान,झझू नाथोतान बास,ग्रांधी,देवड़ों की ढाणी व पंचपीठ की ढाणी,दादू का गाँव आदि गांवों की मीटिंग में कक्षा 3 से 5 तक के 198 बच्चों की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा को लेकर कार्य करने की विधा को लेकर समझ को पक्का किया गया। इस प्रकार के कार्य से शिक्षा में गुणवत्ता अवश्य आएगी,बच्चों को बहुत अधिक लाभ मिलेगा। शाला प्रबंधन समिति में अपनी भूमिका को लेकर बाल प्रतिनिधि के साथ बैठक की गई। इस बैठक से उक्त बाल प्रतिनिधियों में अपनी भूमिका, जिम्मेदारी,दायित्व पर एक साथ समझ को पक्का किया गया अब भविष्य में ये बाल प्रतिनिधि अपनी भूमिका को अच्छी तरह से निभा सकेंगे।
20. **शाला विकास योजना प्रपत्र**: गड़ियाला,झझू व बज्जू सेंटरों के 11 गाँवोंमें स्कूल के 2475 बच्चों की शाला विकास योजना की समीक्षा की गई ताकि वस्तुस्थिति का ठीक से पता लगाकर अच्छी तरह से भविष्य में एक कार्य योजना बनाकर काम किया जा सके।
21. **शाला प्रबंधन समिति की बैठक**: दियातरा सेंटर के तीन गाँवों के 44 शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भाग लिया। इस बैठक के माध्यम से सरकारी स्कूल में सुझाव पेटियो के उपयोग को लेकर कार्य किया गया। इसके लिए शिक्षा विभाग की ओर से ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने भी अपने स्तर पर आदेश देकर, इस व्यवस्था को मजबूती देने का कार्य किया है। इसका असर यह रहा कि सभी 80 स्कूलों में बच्चों के प्रति हिसा में कमी आई। बच्चे अब बिना किसी डर के अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे है। बच्चों का मनोबल भी बढ़ा है। स्कूल के ज्यादातर बच्चे अपनी बात को शिक्षक व अभिभावकों तक भी पहुंचाने लगे है। ड्रॉपआउट स्पोन्सर (200) बच्चों को स्कूल से जोड़ना, इस पूरे सत्र 2014–015 के दौरान मात्र 45 बच्चों को नियमित रुप से स्कूल से जोड़ा गया है। शेष 155 बच्चे अभी भी किसी न किसी कारण से शिक्षा से वंचित है।
22. **स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ बातचीत**– दियातरा, हदां, भेलू,गड़ियाला व सियाणा सेंटरों के 07 गाँवों के 149 लाभार्थियों के साथ बातचीत करके अपनी शिक्षा को जारी रखने की बातचीत की तथा इस बात पर बल दिया गया कि सभी बच्चे उच्च शिक्षा को प्राप्त करने के लिए प्रयास करें।आरटीई–.2009 के अनुसार ही शिक्षा प्राप्त करने की बात पर बल देने को कहा गया।
23. **नव प्रवेशित बच्चों की सूची बनाना**: 1मई 2015 से 15 मई 2015 के दौरान उरमूल प्लान के सभी 71 गाँव के 119 राजकीय प्राथमिक व राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल के 6 वर्ष पूरे करने वाले 3783 बच्चों को सरकारी शिक्षा की व्यवस्था से जोड़ने

के लिए काम किया गया। जुलाई 2015 माह में सभी बच्चे अनिवार्य रूप से शिक्षा से जुड़ कर अपनी शिक्षा को पूरा कर सकेंगे।

24. **जिला स्तरीय केजीबीवी समन्वयन बैठक**: उरमूल सीमांत समिति व सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26 मई 2015 को सर्व शिक्षा अभियान कार्यालय, बीकानेर में केजीबीवीएस बीकानेर की 5 प्रधानाध्यापिकाओं व एक सहायक अध्यापिका, उरमूल सीमांत समिति से शिक्षा समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान जिला बीकानेर प्रभारी व बालिका शिक्षा प्रभारी के साथ एक दिवसीय समीक्षा एवं नियोजन मीटिंग का आयोजन किया गया। पिछले तीन साल के दौरान 8वीं पास बालिकाओं की वस्तुस्थिति का पता इस माह तक केजीबीवीएस की प्रधानाध्यापिकायें लगा लेंगी। बालिकाओं की सुरक्षा के साथ किसी भी स्थित में कोई समझोता नही किया जाएगा। मासिक समीक्षा एवं नियोजन मीटिंग में सभी शिक्षिकायें पूरी तैयारी के साथ आएगी।नवाचरों को सम्मान दिया जाएगा।
25. **केजीबीवी वार्षिकोत्सव**: सभी पांचों केजीबीवी में हर साल की ही तरह 529 बालिकाओं के लिए वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इसके दौरान कक्षा 8 व अच्छे कार्य करने वाली बालिकाओं को सर्व शिक्षा अभियान द्वारा सम्मानित भी किया गया। बालिकाओं ने गीत, नाटक, भाषण, अनुभव, नृत्य आदि प्रस्तुत किए गए। बालिकाओं का उत्साह बढाने के लिए सर्व शिक्षा अभियान के अधिकारी भी पहुंचे।
26. **आर.के.सी.एल.:** इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल 34 बच्चों (छात्र–17, छात्रायें–17) ने केन्द्र पर प्रवेश लिया। इसके अलावा दियातरा में भी आरकेसीएल का सैटेलाईट सेन्टर प्रारम्भ किया गया है, जिसमें अब तकें 35 बच्चों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।
27. **उरमूल स्कूलः** ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ साथ व्यावहारिक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्येश्य से जुलाई 2015 से संस्था परिसर में प्राथमिक स्तर का विद्यालय प्रारम्भ किया गया है।
   - **प्रवेश उत्सव**:–जुलाई माह में 56 बालक–बालिकाओं के साथ उरमूल स्कूल की शुरूआत की गई। इस अवसर पर सभी बच्चों को रोली लगाकर व मोली बांधकर स्वागत किया गया।
   - **दिवस व जयन्तीः** उरमूल स्कूल में विभिन्न दिवस व जयन्तियों का आयोजन किया जाता है
     - विश्व जनसंख्या दिवस
     - लोक मान्य बाल गंगाधर जयंती
     - स्वतन्त्रता दिवस
     - शिक्षक दिवस
     - विश्व जनसंख्या दिवस
     - विश्व साक्षरता दिवस
     - हिन्दी दिवस

   इस दौरान सम्बन्धित व्यक्ति की जीवनी व दिवस के महत्व पर चर्चा की जाती है तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। शिक्षक दिवस के दिन सभी बच्चों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भाषण सुनाए गए।
   - **स्वतन्त्रता दिवसः** उरमूल स्कूल में स्वतन्त्रता दिवस जोर–शोर से मनाया गया। इस दौरान बच्चों के द्वारा रोल–प्ले, सामूहिक नृत्य, एकल नृत्य, गायन आदि प्रस्तुत किए। पूर्व जिला प्रमुख व बज्जू सरपंच ने कार्यक्रम की सराहना की गई।
   - **उत्सवः** तीन माह के दौरान विभिन्न उत्सवों का आयोजन किया किया जैसे कृष्ण जन्माष्टमी एवं रक्षाबन्धन बच्चों द्वारा उरमूल स्कूल में मनाया गया।
   - **नेत्र जांच**: बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उरमूल स्कूल के सभी बच्चों की नेत्र जांच की गई तथा आंखों की देखभाल करने के बारे में बताया गया।
   - **वृक्षारोपणः**–हमारे आस–पास का वातावरण शुद्ध व स्वच्छ रहे, इसको ध्यान में रखते हुए उरमूल स्कूल में वृक्षारोपण किया गया। इसमें तय किया गया कि प्रत्येक बच्चा एक पौधा लगायें और अपने पौधे की देखभाल का जिम्मा लें, प्रतिदिन पौधे में पानी लगायें। अभिभावक बैठक के दौरान अभिभावक व बच्चों ने मिलकर अपने–अपने पौधे लगाये। इस दौरान कुल 60 पौधे लगाये गये।
   - **बाल सभाः** बच्चों को एक ऐसा मंच मिले जहां वह अपनी बात रख सकें तथा अपने आप को अभिव्यक्त कर सकें। इस हेतु प्रत्येक शनिवार को बाल–सभा का आयोजन किया जाता है। जिसमें बच्चे गीत, कविता, नाटक आदि प्रस्तुत करते हैं। सात दिन के दौरान क्या अच्छा लगा या क्या बुरा लगा, समस्या समाधान आदि पर चर्चा की जाती है।

28. **शैक्षिक सर्वे**: 21 गांवों के लगभग 55 छात्र छात्राओं के साथ यह सर्वे किया गया। सर्वे के आधार पर यह सामने आया कि कोलायत क्षेत्र के 23 से 26 प्रतिशत छात्र छात्रा ही भाषा व गणित के सवाल कर सकते हैं। बच्चों की शैक्षिक स्थिति बहुत ही खराब है। इसके लिये शिक्षा विभाग, शाला प्रबन्धन समिति व शाला विकास प्रबन्धन समिति, अभिभावक आदि के साथ कार्य करने की अति आवश्यक है।
29. **ग्राम सभा**: खारिया पतावतान ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम सभा में स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों के लिये विस्तारपूर्वक बातचीत हुई। सभा में शैक्षिक स्तर सुधारने के लिये समुदाय के सभी लोगों को एक साथ मिलकर प्रयास करने के लिये बल दिया गया।
30. **विशेष दिवसों का आयोजनः** विभिन्न स्कूलों मे बाल दिवस का आयोजन किया गया। अध्यापकों व लोगों को महत्वपुर्ण दिवसों के बारे में जागरूक किया। बच्चों को इसके महत्व का पता चला। ये कार्यक्रम 6 गांवो में 567 लोगों के साथ किया गया।
31. **बाल सभा में भागीदारीः** बाल सभा का आयोजन प्रत्येक माह के दूसरे व चौथे शनिवार को किया गया। उरमूल सीमान्त ने बाल सभा को और उपयोगी बनाने के लिए प्रत्येक बाल सभा में भाग लेना शुरू किया। इस माह में 3 बाल सभाओं में भाग लिया, जिसमें 600 लाभार्थी रहे।
32. **स्पोन्सर्ड परिवारों में विजिटः** _80 स्पोन्सर्ड परिवारों में विजिट की गई। विजिट के दौरान बच्चों की शिक्षा की स्थिति के बारे में जानकारी ली गई साथ ही उनको सरकारी योजनओं के बारे में जानकारी दी गई।
33. **विज्ञान लेब, पुस्तकों एवं खेल सामग्री का वितरण**: 5 स्कूलों बज्जू, सुरजड़ा, गड़ियाला, दियातरा व हदां में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों को मॉडल के रूप में चयन किया गया है और इनमें से 3 स्कूलों में विज्ञान लेब की सामग्री, पुस्तकें एवं खेल सामग्री वितरित की गई।
34. **बैनर वितरण**: बाल अधिकारों, अनिवार्य शिक्षा कानून, प्रवेश प्रक्रिया सम्बन्धी शिकायतों के लिये प्रावधानों, शाला प्रबन्धन समिति सदस्यों, विभिन्न हेल्पलाईनों के नम्बर लिखे बैनर 22 गांवों के माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में वितरित किये गये।
35. **खाद्य सुरक्षा कानून विषयक कार्यशाला, बीकानेर**: दिनांक 2 नवम्बर को बीकानेर में जिला स्तरीय खद्य सुरक्षा कानून की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्कूलों के मध्यान्ह भोजन, राशन पेन्शन, स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के सही रूप में क्रियान्वयन के लिये सुधार करने के बारे में विस्तार से चर्चा हुई व जिले के लिये एक कार्य योजना बनाई गई। इस कार्यशाला में जिले भर से कुल 113 संभागी उपस्थित थे।
36. **इन्सीलेटर मशीनः** सेनेटरी पैड को उपयोग के बाद नष्ट करने के लिये बज्जू के होस्टल के चेन्ज रूम में इन्सीलेटर मशीन लगवाई गई।
37. **शिक्षा का अधिकार कानून कार्यशालाः** दिल्ली में 30 नवम्बर व 1 दिसम्बर को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 19 राज्यों के 501 लोगों ने भाग लिया। उरमूल सीमान्त से 5 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास (ECCD)

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	योग	
		संख्या	लाभार्थी
1.	धात्री महिलाओं के साथ बैठकें	47	1051
2.	प्रदर्शन बैठकें	39	1042
3.	आंगनबाड़ी से अनामांकित/ड्राप आउट बच्चों जोड़ने के लिए सबला समूह, मदर ग्रुप व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ बैठकें	27	577
4.	आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व आशाओं के साथ बच्चों की देखभाल और विकास के चरणों को लेकर प्रशिक्षण	5	96
5.	किशोरी प्रेरणा मंचों/सबला समूह पदाधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण	7	181
6.	दीवार लेखन	11	11
7.	क्रोस लर्निंग	5	42
8.	फोलोअप बैठकें	1	24

9.	आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का तीन दिवसीय सोफ्ट टॉय प्रशिक्षण	1	29
10.	जनप्रतिनिधियों / शिक्षकों व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ शाला पूर्व शिक्षा को लेकर बैठकें	2	43
11.	अतिकुपोषित बच्चों की जांच व होम विजिट	14	64
12.	विश्व स्तनपान सप्ताह	15	325
13.	टीकाकरण	6	90
14.	एक्सपोजर विजिट, लूणकरणसर	5	57
15.	आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, महिला पर्यवेक्षक, मातृ समूह और सबला समूह के साथ ''बच्चों की विकलांगता की जांच'' को लेकर बैठकें	29	689
16.	3 से 6 साल तक के बच्चों के माता–पिता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सबला समूहों के साथ शालापूर्व शिक्षा और स्कूल के लिए तैयारी को लेकर बैठकें	19	380
17	प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों को स्कूल से पहले तैयारी एवं बच्चों की स्कूल के वातावरण में सहजता बढ़ाने हेतू जागरूक करना	2	38
18	3 से 6 वर्ष के बच्चों के रिकॉर्ड संधारण को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक	3	49
19	आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पर्व व उत्सव मनाना	12	232
20	नन्दघर योजना के तहत् आंगनबाड़ी केन्द्रों को विकसित करना	3	70
21	आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मातृ समूह व सबला समूहों के साथ बच्चों के पंजीकरण, टीकाकरण, आंगनबाड़ी की महत्ता, 6 माह तक केवल मां का दूध, उपरी आहार एवं सम्पूर्ण स्वच्छता के बारे में बैठकें	53	2148
22	आं.बा. कार्यकर्ता एवं आशा के साथ 0 से 3 साल के बच्चों की माताओं के साथ बच्चों की प्रारम्भिक देखभाल विषयक बैठकें	19	616
23	0 से 3 साल बच्चों के पिताओं के साथ बच्चों की प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल व सहभागिता पर चर्चा	15	314
24	आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का ईसीसीडी पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण	1	38
25	आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व 0 से 3 साल तक के बच्चों के अभिभावकों व सबला के साथ प्रारम्भिक देखभाल विकास के चरण पर बैठकें	33	1246
26	आंगनबाड़ी केन्द्रों पर गणतत्र दिवस का आयोजन	5	95
27	ग्राम सभा में भागीदारी	4	95
28	कुपोषित बच्चों को एमटीसी में रेफर किया गया	13	13

1. **धात्री महिलाओं के साथ बैठकः** वर्ष के दौरान 47 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर धात्री महिलाओं के साथ बच्चों की देखभाल व स्तनपान को लेकर बैठक की गई जिसमें 1051 लाभार्थी रही।
2. **प्रदर्शन बैठकः** आंगनबाड़ी पर दी जा रही सुविधओं व खेल सामाग्री को लेकर प्रदर्शन बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बताया गया कि किस प्रकार से पोषाहार के साथ–साथ आंगनबाड़ी पर खेल–खेल के माध्यम से शारारिक, मानसिक व बौद्धिक विकास होता है।
3. **आंगनबाड़ी से अनामांकित / ड्राप आउट बच्चों को जोड़ने हेतुसबला समूह, मदर ग्रुप व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ बैठकः** वर्ष के दौरान 27 बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें 577 लोगों ने भाग लिया। इस दौरान ड्रॉप आउट बच्चों की लिस्ट बनायी और अभिभावकों व सबला समूह की लड़कियों को इनको जोडने की जिम्मेदारी दी गई।
4. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व आशाओं के साथ बच्चों की देखभाल और विकास के चरणों को लेकर प्रशिक्षणः** वर्ष के दौरान 0 से 3 वर्ष के बच्चों की देखभाल को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

5. **किशोरी प्रेरणा मंचों/सबला समूह पदाधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण** वर्ष के दौरान बच्चों के विकास के चरणों को लेकर प्रशिक्षण दिया गया व अनकी आंगनबाड़ी पर क्या भूमिका हो सकती है, इसकी प्लानिंग करवाई गई। इस गतिविधि में 181 लड़कियों ने भाग लिया।
6. **क्रोस लर्निंग**ः आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को परियोजना क्षेत्र में संचालित अच्छे आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण करवाया गया जिसमें वो एक दूसरे से सीख सके और अपने केन्द्रों को भी आदर्श बना सके।
7. **पुनःश्चर्या बैठक**ः चयनित 24 आंगनबाड़ी केन्द्रों की कार्यकर्ताओं के साथ पिछले माह किये गये कार्यों की समीक्षा की गई व आगामी कार्ययोजना बनाई गई।
8. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का तीन दिवसीय सोफ्ट टॉय प्रशिक्षण**ः अनुपयोगी वस्तुओं से किस प्रकार बच्चों के लिए खेल सामग्री का निर्माण किया जा सकता है इसको लेकर तीन दिवसीय सॉफ्ट टॉय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
9. **जन प्रतिनिधियों/शिक्षकों व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ शालापूर्व शिक्षा को लेकर बैठक**ः कोलायत में जन प्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं शिक्षकों के साथशालापूर्व शिक्षा को लेकर एक दिवसीय बैठक का आयेजन किया गया। जिसमें 43 लोगों ने भाग लिया।
10. **अतिकुपोषित बच्चों की जांच व होम विजिट**ः MUAC Tape की मदद से कुपोषित बच्चों की पहचान की गई। 64 बच्चों में से 43 बच्चे सामान्य, 14 कुपोषित व 7 बच्चे अतिकुपोषित की श्रेणी में पाये गये। इन बच्चों के अभिभावकों व कार्यकर्ताओं को सलाह दी गई कि वो उनको MTC में लेकर जाए व उनका इलाज करवायें।
11. **विश्व स्तनपान सप्ताह**ः वर्ष के दौरान 15 गांवों में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। इस पूरे सप्ताह में 325 महिलाओं ने भाग लिया। इसमें महिलाओं को स्तनपान क्यों जरूरी है तथा जन्म होते ही बच्चों को मां का पहला गाढा दूध पिलाना व उससे होने वाले फायदों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया।
12. **टीकाकरण**, **कुपोषित बच्चों को एमटीसी में रेफर किया गया**ः 6 गांवों में टीकाकरण से वंचित बच्चों की सूची बनाकर उनके अभिभावकों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करके 90 बच्चों को टीके लगवाये गये व प्रतिमाह आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित होने वाले मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के दौरान बच्चों की वजन निगरीनी की गई। वजन निगरानी के दौरान चिन्हित अति कुपोषित बच्चों को एमटीसी रेफर किया गया।
13. **एक्सपोजर विजिट**ः उरमूल सेतू लूणकरणसर में एक्सपोजर विजिट की गई, जिसका उद्येश्य था कि वहां संचालित अभिभावक विकास कार्यक्रम को जानना व समझना था वे किस प्रकार से कार्य कर रहा है। कार्यक्रम की कार्य प्रणाली से समझकर हम अपने कार्यक्षेत्र में विस्तरित कार्ययोजना बनाकर चला सके।
14. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, महिला पर्यवेक्षक, मदर ग्रुप और सबला समूह के साथ ''बच्चों की विकलांगता की जांच'' को लेकर मीटिंग**ः 9 गांवों में ''बच्चों की विकलांगता की जांच'' को लेकर बैठक की गई, जिसमें 229 महिलाओं व सबला समूह की लडकियों ने भाग लिया। मीटिंग के दौरान बच्चों में किस–किस प्रकार की विकलांगता पाई जाती है व इसकी पहचान कैसे की जा सकती है, बताया गया व इसी दौरान उस गांव के 3 से 8 वर्ष के विकलांग बच्चों का चयन किया गया।
15. **3 से 6 साल तक के बच्चों के माता–पिता आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सबला समूह के साथ शालापूर्व शिक्षा और स्कूल के लिए तैयारी को लेकर मीटिंग**ः शालापूर्व शिक्षा को लेकर 19 गांवों में मीटिंग की गई जिसमें 380 लाभार्थी रहे। इस मीटिंग के दौरान बताया गया कि विद्यालय में जाने से पूर्व बच्चे की क्या तैयारी की जाये ताकि वो आसानी से विद्यालय के वातावरण में सामंजस्य बना सके।
16. **प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों को स्कूल से पहले तैयारी एवं बच्चों की स्कूल के वातावरण में सहजता बढ़ाने हेतू जागरूक करना**ः शिक्षकों के साथ मीटिंग करके बताया गया कि आंगनबाड़ी पर कैसे खेल विधि के माध्यम से सिखाया जाता है वे अगर उनको विद्यालय में ऐसा वातावरण न मिले तो वे विद्यालय से ड्रॉप आउट हो जाते है। अतः उनको कैसा वातावरण दिया जाए जिसमें वो आसानी से सीख पायें व ड्रॉप आउट न हो। साथ ही साथ जनप्रतिनिधि बच्चों को जोड़ने में कैसे सहयोग कर सकते हैं, इसकी चर्चा की गई।
17. **नन्दघर योजना के तहत् आंगनबाड़ी केन्द्रों को विकसित करना व दीवार लेखनः** कोलायत ब्लॉक के 6 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर नन्दघर योजना के तहत् दीवार लेखन करवाया गया। दासौड़ी व दियातरा के केन्द्रों पर चित्रकारी व शाला पूर्व शिक्षण हेतु कार्य हुआ। 11 आंगनबाड़ी भवनोंकी दीवारों पर वॉल पेटिंग का कार्य करवाया गया जिससे

बच्चे चित्रों के माध्यम से सीख सके। इस पेन्टिग को करवाने से पूर्व शिक्षकों वकार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग की गई जिसमें चर्चा की गई कि पेंन्टिग कैसी हो जो शाला पूर्व शिक्षा में सहायक हो।

18. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मदर ग्रुप व सबला समूहों के साथ बैठकें:** वर्ष के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मदर ग्रुप व सबला समूहों के सदस्यों के साथ बच्चों का पंजीकरण, टीकाकरण, आंगनबाड़ी की महत्ता, 6 माह तक केवल मां का दूध, उपरी आहार एवं सम्पूर्ण स्वच्छता विषयों पर बैठकें आयोजित की गई।
19. **आं.बा. कार्यकर्ता एवं आशा के साथ 0 से 3 साल के बच्चों की माताओं के साथ बैठक। बच्चों की प्रारम्भिक देखभालः** इन 19 बैठकों में आये 616 लाभार्थियों ने बच्चों के प्रारम्भिक अवस्था में किस प्रकार देखभाल की जाये, इस बारे मे ंअपनी समझ बनाई।
20. **0 से 3 साल बच्चों के पिताओं के साथ बच्चों की प्रारम्भिक बाल्यावस्था के बारे में देखभाल व सहभागिता पर बैठकः** ज्यादातर परिवारों में बच्चों की प्रारम्भिक आयु में मां ही देखभाल करती है। लेकिन यदि मां व पिता दोनों मिलकर बच्चों की देखभाल करें तो बच्चों को सही रूप में पोषण मिल पायेगा। इस बारे में समझ बढाने के लिये यह गतिविधि की गई।
21. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व आशा सहयोगिनियों का ईसीसीडी पर तीन दिवसीय प्रशिक्षणः** इस प्रशिक्षण के दौरान दक्ष प्रशिक्षकों के रूप में ''प्रारम्भ, जयपुर'' संस्था की ममता, रेखा, रेणु व सुषमा ने 0 से 3 साल तक के बच्चों के समेकित विकास जैसे शारीरिक, मानसिक, संज्ञानात्मक भावनात्मक और रचनात्मक विकास, 3 से 6 साल तक के बच्चों की शाला पूर्व शिक्षा विषय और घर पर बच्चों की देखभाल आदि विषयों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण किया गया।
22. **एक दूसरे से सीखने व सिखाने के प्रति समझ बढाने के लिये अच्छे आंगनबाड़ी केन्द्रों को नजदीकी आंगनबाडी केन्द्रों की विजिटः** वर्ष के दौरान लाखासर, झझू में दो बार व गोलरी गांव के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर प्लान क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को ले जाकर एक अच्छे आंगनबाड़ी केन्द्र की अवधारणा के बारे में बताया गया।
23. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व 0 से 3 साल तक के बच्चों के अभिभावकों व सबला के साथ प्रारम्भिक देखभाल विकास के चरण पर बैठकें:** वर्ष के दौरान बच्चों की आयु के अनुसार विकास के प्रमुख चरणों व प्रारम्भिक देखभाल के बारे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व 0 से 3 साल तक के बच्चों के अभिभावकों के साथ बैठकें आयोजित की गई।
24. **ईसीसीडी दिवस मनाकर केन्द्रों पर दी गई सामग्री का प्रदर्शन करनाः** सरकार व प्लान के सहयोग से आंगनबाड़ी केन्द्रों पर दी गई शाला पूर्व शिक्षा से सम्बन्धित चार्ट व खिलौनों एवं गरम पूरक पोषाहार के विभिन्न व्यंजन जैसी सामग्री का प्रदर्शन किया गया और बच्चों के अभिभावकों व किशोरी बालिकाओं को जानकारी दी गई कि ये सामग्री बच्चों के समेकित विकास में किस प्रकार सहायक है।
25. **ग्राम सभा में भागीदारीः** वर्ष के दौरान 4 ग्राम सभाओं में भाग लिया। सभाओं में आंगनबाड़ी केन्द्रों पर रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया, पद के अनुसार शैक्षणिक योग्यताओं व कार्यों आदि के बारे में बताया गया। इसके अलावा आंगनबाड़ी की सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई।

''जन्म लेने दो बेटियों को भी'' कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	योग	
		संख्या	लाभार्थी
1.	आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सैक्टर बैठकों में भागीदारी	11	259
2.	सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों कीसैक्टर बैठकों में भागीदारी	10	171
3.	राष्ट्रीय बालिका दिवस पर संगोष्ठी एवं प्रश्नोत्तरी	6	331
4.	ब्लॉक स्तरीय सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक	1	14
5.	यूथ लीडर्स के साथ एक दिवसीय मिटिंग	1	21
6.	GRC सदस्यों के साथ बैठक	3	113
7.	"मेरी बेटी–मेरी शक्ति" जागरूकता अभियान एवं नुक्कड नाटक	40 ग्राम पंचायतें	15583

1. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सैक्टर बैठकों में भागीदारीः** सेवा प्रदाताओं का क्षमता वर्धन करना, जो कि समुदायमें जेण्डर बैलेंस व घटते लिंगानुपात पर चर्चा करें। बालिकाओं के महत्व को बढ़ावा देने हेतु 3–6 वर्ष की बालिकाओं को आंगनबाड़ी से जोड़ना। समय पर जन्म पंजीयन करवाना और बेटियों के जन्म पर भी खुशी मनाना। फिलिप बुक के द्वारा सामाजिक मुद्दो पर समुदाय में बात करना उन्हे जागरूक करना।
2. **सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों कीसैक्टर बैठकों में भागीदारीः**सेवा प्रदाताओं का क्षमता वर्धन करना, जिसमें फिलिप बुक द्वारा, घटते लिंगानुपात के कारणो व समाधान पर चर्चा करना इन मिटिंगों में PCPNDT Act, MTP Act पर चर्चा भी की जाती है। बालिकाओं के अधिकारों को प्राथमिकता देने हेतु बालिका जन्मोत्सव मनाना व शत–प्रतिशत जन्म पंजीयन करवाना।
3. **राष्ट्रीय बालिका दिवस पर संगोष्टी एवं प्रश्नोत्तरीः** इस कार्यक्रम के दौरान माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विधालयों में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम करवाया व महिलाओं, किशोरियों के साथ बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने पर चर्चा की। चर्चा के दौरान पता चला कि बाल विवाह एक गम्भीर समस्या है जससे बालिकाओं की शिक्षा बीच में छूट जाती है।
4. **ब्लॉक स्तरीय सरकारी अधिकारियों के साथ बैठकः**फिलिप बुक के द्वारा गिरते लिंगानुपात व जैण्डर पर चर्चा की गई। जन्म पंजीयन एवं जन्म प्रमाण पत्र से वंचित बच्चों के जन्म पंजीयन की बात की गई। उपखण्ड अधिकारी ने कहा कि जो बच्चे पंजीयन से छूट गये हैं, उनकी सूची बनाकर ग्रामसेवक से प्रमाणित करवाकर देंगे तो तहसीलदर इसे जारी करने की अनुज्ञा करें। ब्लॉक स्तरीय बैठक में रथयात्रा व नुक्कड़ नाटक के बारे में भी बात की।
5. **यूथ लीडर्स के साथ एक दिवसीय बैठकः**युवा वर्ग, समाज को बदलने के लिये एक सक्षम माध्यम है इसलिए युवा लीडर्स का क्षमतावर्द्धन किया जाता है जो बाल–विवाह रोकथाम, जेण्डर बैलेन्स, घटते लिंगानुपात व बालिका शिक्षा व उनके महत्व को बढ़ावा देने हेतु कार्य करेंगे। बेटियों को समाज में सम्मानपूर्वक जीवन मिले, इसके लिये कार्य करेंगे।
6. **जेण्डर रिसोर्स सेन्टर (GRC)सदस्यों के साथ बैठकः**जेण्डर रिर्सोस सेन्टर के माध्यम से लिंग भेद को मिटाने व सामाजिक मुद्दों पर समाज में कार्य करने हेतु 10वीं व 12वीं के स्कूलो में यह सेन्टर बनाये गये। जिसमें 25–25 सदस्य जिनको ट्रेनिंग के माध्यम से क्षमतावर्द्धन किया जाता है, जो बाल–विवाह रोकथाम, जेण्डर बैलेन्स, घटते लिंगानुपात व बालिका शिक्षा व उनके महत्व को बढ़ावा देने हेतु कार्य करेंगे।
7. **"मेरी बेटी–मेरी शक्ति" जागरूकता अभियान एवं नुक्कड नाटकः** बालिकाओं को प्राथमिकता देने हेतु जन अभियान के तहत अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर "मेरी बेटी–मेरी शक्ति" जागरूकता अभियान एवं नुक्कड नाटक की शुरूआत की गई जो कोलायत की 37 ग्राम पंचायत एवं खाजूवाला की 3 ग्राम पंचायतों में संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में बाल विवाह, दहेज प्रथा, बालिका शिक्षा, चाइल्डलाइन 1098 जैसे मुद्दे पर समुदाय से बात की गई। इस कार्यक्रम में कठपुतली के माध्यम से बालिका शिक्षा, बाल–विवाह एवं पुरूषों की भागीदारी पर कार्यक्रम किया गया।
8. **बेटियो के जन्म पर थाली बजाई गईः** चारणवाला, दासौड़ी के 3 परिवारों में स्थानीय आशा सहयोगिनी व परिवार के सदस्यों द्वारा थाली बजाई।सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बज्जू में कन्या जन्म होने पर संस्था की टीम, ए.एन.एम. आशा सहयोगिनी व डॉ. सत्यनारायण भार्गव ने थाली बजाई व परिवार को बधाई दी। चारणवाला, दासौड़ी के 3 परिवारों में थाली बजाई। गिरान्धी–उपस्वास्थ्य केन्द्र पर कन्या जन्म होने पर ANM सुसम्मा टी द्वारा थाली बजाई गई। ग्राम पंचायत चारणवाला में राष्ट्रीय बालिका दिसव पर 11 बालिकाओं को "कन्या बधाई पत्र" देकर उन परिवारों को सम्मानित किया गया।
9. बाल सुरक्षा समिति सदस्यों के साथ फिलिप बुक एवं जैण्डर टूल के माध्यम से 13 से 35 वर्ष के 50 सम्भागियों के साथ चर्चा की गई।
10. स्माल ग्रुप बैठक बज्जू में की गई। इस बैठक में फिलिप बुक के द्वारा महिला स्वास्थ्य व जैण्डर बैलेंस पर चर्चा की गई। इसमें 1 पुरूष व 20 महिलाओं ने भाग लिया।
11. ग्राम पंचायत बरसलपुर, रणजीतपुरा गौडू एवं बज्जू द्वारा आयोजित ग्राम सभाओं में भाग लिया।
12. स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवंकिशोरी प्रेरणा मंच की बैठकों में भाग लिया। स्माल ग्रुप बैठक, डेह में आयोजित की गई जिसमें 11 महिलाओं व एक पुरूष ने भाग लिया।
13. पंचायत समिति कोलायत में ग्राम सेवकों एवं स्वास्थ्य विभाग के सदस्यों के साथ आयोजित बैठक में भाग लिया।

स्वास्थ्य कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	योग	
		संख्या	लाभार्थी
1	किशोर/किशोरी यूथ व योग्य दम्पति के साथ यौन स्वास्थ्य व परिवार नियोजन प्रशिक्षण	25	532
2	दो दिवसीय स्टाफ स्वास्थ्य प्रशिक्षण	1	61
3	गोद भराई	25	579
4	केयर गिवर्स धात्री, स्वयं सहायता समूह, सबला, गर्भवती के साथ 104,108, जोखिम–चिन्ह,हाई रिस्क, संस्थागत व सुरक्षित प्रसव पर बैठक	113	1835
5	आशा, आंगनबाडी कार्यकर्ता,एएनएम अभिमुखीकरण कार्यशाला	1	127
6	दो दिवसीय आशा सहयोगिनी क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षण	1	58
7	स्वास्थ्यकर्मियों के साथ दो दिवसीय बैठक	9	97
8	दो दिवसीय गैर आवासीय किशोरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण	3	98
9	किशोर मंच व सबला के साथ आयोडीन, एनीमिया, पोषण पर चर्चा	17	319
10	जागरूकता लेखन प्रतियोगिता	5	124
11	गर्भवती महिलाओं के साथ बैठक	6	102
12	परिवार नियोजन बैठक	13	218
13	स्वास्थ्यकर्मी आमुखीकरण प्रशिक्षण	1	9
14	गर्भवती महिलाओं के घरों में होम विजिट	30	120
15	किशोर मंच व सबला के साथ आयोडीन, एनीमिया व पोषण पर चर्चा	65	1258
16	लेखन प्रतियोगिता	5	125
17	एन एन एम., आशा व फील्ड स्टाफ के साथ प्रशिक्षण	2	59
18	सरपंच और वार्डपंच के साथ प्रशिक्षण	2	28

1. **किशोर/किशोरी यूथ व योग्य दम्पति के साथ यौन स्वास्थ्य व परिवार नियोजन प्रशिक्षण**ः इस छःमाही के दौरान प्लान क्षेत्र के किशोर किशोरियों व योग्य दम्पतियों के साथ प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में आयु के अनुरूप शारीरिक बदलाव, यौन सम्बन्धित बीमारियों से बचाव के लिये आवश्यक सावधानियों आदि के बारे में जानकारी दी गई। विभिन्न परिवार नियोजन के तरीकों के उपयोग व किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक व मानसिक बदलाव के बारे में जानकारी देने के लिये किशोर व किशोरियों के साथ आमुखीकरण बैठकों का आयोजन किया गया।
2. **दो दिवसीय स्टाफ स्वास्थ्य प्रशिक्षणः** इस कार्यक्रम के तहत् संस्था के फील्ड स्टाफ का दो दिवसीय स्वास्थ्य प्रशिक्षण रखा गया, जिसमें नियमि होम विजिट के दौरान परिवारों को बुखार के रोगियों की पहचान के बाद नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर तुरन्त जांच करवाने, मलेरिया के लार्वा को खत्म करने की प्रक्रिया, विकास के मुख्य चरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य आदि के बारे में जानकारी दी गई।
3. **गोद भराईः** मातृ, शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के दौरान गर्भावस्था के सातवें माह में गर्भवती माताओं की गोद भराई रस्म का आयोजन किया गया। इसके दौरान उन्हें समय समय पर अपनी स्वास्थ्य जांच, रक्त जांच व संस्थागत प्रसव और प्रसव के समय ध्यान में रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा जो बच्चे 6 माह के हो चुके थे, उन्हें अन्न प्रारम्भ करवाने हेतु अन्नप्राशन दिवस भी मनाया गया।
4. **केयर गिवर्स धात्री, स्वयं सहायता समूह, सबला, गर्भवती के साथ 104, 108, जोखिम–चिन्ह, हाई रिस्क, संस्थागत व सुरक्षित प्रसव पर बैठक**ः क्षेत्र के गांवों में गर्भवती धात्री व अति कुपोषित बच्चों के परिवारों में होम विजिट के दौरान स्थानीय भोजन का अधिकाधिक उपयोग, समय समय पर गर्भवती माताओं की स्वास्थ्य जांच, बच्चों के नियमित टीकाकरण व बच्चों की घर पर ही देखभाल के बारे में प्रेरित किया गया।

5. **स्वास्थ्यकर्मियों के साथ दो दिवसीय बैठकः** स्वास्थ्यकर्मियों की बैठकों में प्राथमिक चिकित्सा, बच्चों की वजन निगरानी, संस्थागत प्रसव, कुपोषित व अति कुपोषित बच्चों के परिवारों में होम विजिट करके अभिभावकों को घर पर ही देखभाल हेतु उचित सलाह दिये जाने के बारे में उनका आमुखीकरण किया गया।
6. **दो दिवसीय किशोरी स्वास्थ्य प्रशिक्षणः**—किशोरी बालिकाओं के साथ चिमाणा, गंगापुरा व खारिया पतावतान में दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण रखा गया, जिसका उद्देश्य किशोरियां अपने शरीर में होने वाले शारीरिक व मानसिक बदलाव को समझ सकें व स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। दो दिन के दौरान किशोरियों में किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक व मानसिक बदलाव के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। इस उम्र में हार्मोन्स बढना प्रारम्भ हो जाते हैं। अतः इस तरह के बदलाव होते हैं।
7. **जागरूकता लेखन प्रतियोगिता (गर्भवती पंजीयन):** स्कूली किशोरियों के साथ प्रथम तीन माह के दौरान गर्भवती पंजीयन क्यों आवश्यक है? इसके क्या फायदे हैं। इस पर लेखन प्रतियोगिता करवाई गई। इन प्रतियोगिताओं में किशोरियों ने बढ–चढ कर भाग लिया व गर्भवती के पंजीयन के फायदों के बारे में लिखा। जैसे सम्पूर्ण टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, जननी सुरक्षा योजना, धनलक्ष्मी योजना, कलेवा योजना, संस्थागत व सुरक्षित प्रसव, बच्चे का जन्म पंजीकरण आदि इस दौरान कुल 5 स्थानों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें कुल 124 किशोरियों ने भाग लिया।
8. **गर्भवती महिलाओं के साथ बैठकः** गर्भवती महिलाओं के साथ ग्राम स्तरीय एक दिवसीय बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें प्रसव पूर्व व प्रसव के पश्चात बच्चे की देखभाल पर चर्चा की गइ। जन्म से लेकर 42 दिन तक बच्चे को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। इस दौरान बच्चे का विशेष ध्यान रखें कि 3 साल तक बच्चे का विकास किस तरह से हो रहा है, सम्पूर्ण टीकाकरण आदि पर चर्चा की गई। सितम्बर माह में कुल 6 बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें 102 महिलाओं ने भाग लिया।
9. **परिवार नियोजन बैठकः** 15 से 45 वर्ष की किशोरियों व महिलाओं के साथ परिवार नियोजन पर बैठक रखी गई। बैठकों के दौरान परिवार नियोजन पर चर्चा करते हुए दो बच्चों के बीच अन्तराल, गर्भनिरोधक साधनों व यौन स्वास्थ्य पर विस्तार से चर्चा की गई। सितम्बर माह में कुल 7 बैठकें आयोजित की गई जिसमें 155 किशोरियों व महिलाओं नें भाग लिया।
10. **स्वास्थ्यकर्मी आमुखीकरण प्रशिक्षणः** चिमाणा क्षेत्र में दूर दराज की ढाणियां है जहां साधनों का अभाव है। उरमूल प्लान की ओर से इस क्षेत्र में स्वास्थ्यकर्मी कार्यरत हैं। सितम्बर माह में इनका एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण रखा गया। इस दौरान चर्चा की गई कि वह अभी जिस तरह से कार्य कर रही हैं उस कार्य को और बेहतर तरीके से करना है। हमारे क्षेत्र की कोई भी महिला व बच्चे टीकाकरण से वंचित न रहे व सभी का पंजीयन आंगनबाडी केन्द्र पर हो। सरकार द्वारा मिलने वाली विभिन्न योजनाओं का लाभ उन्हें मिले। टीकाकरण के दौरान वे सहयोग करें तथा जागरूक करें। इस दौरान 9 स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया।
11. **किशोर मंच व सबला के साथ आयोडीन, एनीमिया व पोषण पर चर्चाः** किशोर मंच व सबला समूह के साथ आयोडीन, एनीमिया, स्वास्थ्य व पोषण पर बैठकों का आयोजन किया गया। इस दौरान किशोर–किशोरियों के साथ एनीमिया क्या है, यह कैसे होता है, एनीमिया के लक्षण व उपचार, आयोडीन की कमी से होने वाले रोग, किशोरावस्था के दौरान खुद का स्वास्थ्य व पोषण का विशेष ध्यान रखने पर विस्तार से चर्चा की गई।
12. **जागरूकता लेखन प्रतियोगिता (गर्भवती पंजीयन):** स्कूली किशोरियों के साथ प्रथम तीन माह के दौरान गर्भवती पंजीयन क्यों आवश्यक है, इसके क्या फायदे हैं इस पर जागरूकता सत्र लिये गये। तत्पश्चात इस पर लेखन प्रतियोगिता करवाई गई। इन प्रतियोगिताओं में किशोरियों ने बढ–चढ कर भाग लिया व गर्भवती के पंजीयन के फायदों के बारे में लिखा। जैसे सम्पूर्ण टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, जननी सुरक्षा योजना,, धनलक्ष्मी योजना, कलेवा योजना, संस्थागत व सुरक्षित प्रसव, बच्चे का जन्म पंजीकरण आदि।
13. **गर्भवती महिलाओं के साथ बैठकः** गर्भवती महिलाओं के साथ गांव स्तरीय एक दिवसीय बैठकों का आयोजन किया गया जिसमें प्रसव पूर्व व पश्चात बच्चे की देखभाल पर चर्चा की गई। जन्म से लेकर 42 दिन तक बच्चे को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। इस दौरान बच्चे का विशेष ध्यान रखें। 3 साल तक बच्चे का विकास किस तरह से हो रहा है एवं सम्पूर्ण टीकाकण आदि पर चर्चा की गई।

14. **परिवार नियोजन बैठकः** 15 से 45 वर्ष की किशोरियों व महिलाओं के साथ परिवार नियोजन पर बैठक रखी गई। बैठकों के दौरान परिवार नियोजन पर चर्चा करते हुए दो बच्चों के बीच अन्तराल, गर्भनिरोधक साधनों व यौन स्वास्थ्य पर विस्तार से चर्चा की गई। तीन माह में कुल 9 बैठकें की गई जिसमें 127 किशोरियों व महिलाओं नें भाग लिया।
15. **ग्राम स्वास्थ्यकर्मी आमुखीकरण बैठकें:** चिमाणा क्षेत्र में दूर दराज की ढाणियां है जहां साधनों का अभाव है। उरमूल प्लान की ओर से इस क्षेत्र में स्वास्थ्यकर्मी नियुक्त है। अक्टूबर माह में इनका एक दिवसीय क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षण रखा गया। इस दौरान गर्भवती पंजीयन, ममता कार्ड बनवाकर गर्भवती महिलाओं का सम्पूर्ण टीकाकरण, वजन निगरानी व संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करवाने के बारे में बातचीत की गई तथा आगामी कार्य योजना बनवाई गई, गर्भवती महिलाओं की गोद भराई रस्म करवाना, सबला समूह ही बैठकें करवाना, वजन निगरानी, टीकाकरण आदि।
16. **मदर केयर गिवरः** अक्टूबर माह में मदर केयर गिवर के साथ बैठक के दौरान गर्भवती महिला का टीकाकरण, बर्थ प्लान किस तरह से बनाना है, 104 व 108 एम्बुलेन्स के बारे में बताया कि जब भी गर्भवती को प्रसव पीडा हो तो तुरन्त 104 पर कॉल करें। यह गाडी निःशुल्क अस्पताल तक पहुंचा देगी। अगर एम्बुलेन्स उपलब्ध न हो तो किराए की गाडी भी करके जा सकते ह ैं उसके पैसे भी सरकार द्वारा दिए जाते हैं। जननी सुरक्षा योजना व संस्थागत प्रसव के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।
17. **एएनएम, आशा व फील्ड स्टाफ प्रशिक्षणः**—स्वास्थ्य विभाग की बैठकों के दौरान एएनएम, आशा व फील्ड स्टाफ का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान बातचीत की गई कि कोई भी गर्भवती महिला टीकाकरण से वंचित न रहे, उनकी समय—समय पर जांच हो ताकि प्रसव के दौरान होने वाले खतरों का पता चल सके और उनका इलाज भी समय पर हो सके। वजन निगरानी बच्चों की हो ताकि कुपोषण का पता चल सके। आईसीडीएस रिकॉर्ड संधारण पर भी विस्तार से चर्चा की गई।
18. **सरपंच और वार्डपंच के साथ प्रशिक्षणः** भेलू ग्राम पंचायत में सरपंच व वार्डपंचों के साथ एक दिवसीय प्रशिक्षण रखा गया जिसमें पंचायत में जितनी भी गर्भवती महिलायें हैं उनका पंजीयन, सम्पूर्ण टीकाकरण, संस्थागत प्रसव तथा बच्चे का 21 दिन के अन्दर जन्म पंजीकरण की निगरानी जैसे कार्यो के लिये ग्राम पंचायत जिम्मेदारी लें तो मातृ एवं शिशु मृत्युदर में कमी आयेगी। तीन माह के दौरान कुल 2 बैठकें की गई जिसमें कुल 28 लोगों ने भाग लिया।

आपदा कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	योग	
		संख्या	लाभार्थी
1	स्कूल में आपदा के खतरों पर बैठकें	35	1061
2	गांव स्तर पर आपदा प्रबन्धन कमेटी गठन व क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षण	44	702
3	बाल समूहों के साथ बैठकें	29	688
4	समुदाय आधारित संगठनों के साथ बैठकें	37	906
5	मॉकड्रिल	21	5943
6	स्कूल व आंगनबाड़ी केन्द्र मरम्मत कार्य व ढक्कन लगाना	4	428
7	अध्यापकों के साथ मॉकड्रिल, टी.टी कॉलेज बीकानेर	1	113
8	आपातकालीन राहत दल के साथ बैठकें	6	210

1. **स्कूल में आपदा के खतरों पर बैठकें:** इन बैठकों में बच्चों व शाला प्रबन्धन समिति के सदस्यों व अध्यापकों ने भाग लिया। बैठकों में स्कूल में होने वाले खतरों पर चर्चा करके उनके समाधान करने की सलाह दी गई।
2. **गांव स्तर पर आपदा प्रबन्धन कमेटी गठन व क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षणः** इस प्रशिक्षण में गांव स्तर पर कमेटी का गठन किया गया। गांव में होने वाले संभावित खतरों का निपटारा कमेटी के माध्यम से किया जाने तथा गांव में आपदा सम्बन्धित खतरे कम करने का प्रयास करने के बारे में जानकारी दी गई।
3. **बाल समूहों की बैठकें:** बैठकों में बालक व बालिकाओं को आपदा के खतरों से बचाव के बारे में बताया गया कि स्कूल आते व घर जाते समय सावधानी रखें। सडक पर चलते समय वाहनों का विशेषकर ध्यान रखें।

4. **समुदाय आधारित संगठनों के साथ बैठकें:** गांव में समुदाय के साथ बैठकें करके आपदा के बचाव के बारे में जानकारी दी गई कि हमेशा तैयार रहें, कभी भी आपदा आ सकती है, बाढ़ का आना व भूकम्प का खतरा भी हो सकता है।
5. **मॉकड्रिल:** स्कूल स्तर पर संभावित आपदाओं से बचाव के उद्‌देश्य से सांखला बस्ती के स्कूल में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें आग लगने के विभिन्न कारणों, आग से बचने के उपायों आदि के बारे में सिविल डिफेन्स के कार्मिकों द्वारा प्रदर्शन करके बताया गया।
6. **स्कूल व आंगनबाड़ी केन्द्र मरम्मत कार्य व ढक्कन लगाना:** जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों व स्कूलों में निर्मित जल कुण्डों के ढक्कन नहीं थे या टूटे हुए थे, वहां पर नये ढक्कन लगाये गये।
7. **अध्यापकों के साथ मॉकड्रिल, टी.टी कॉलेज बीकानेर:** इस प्रशिक्षण में कोलायत ब्लॉक के 40 ग्राम पंचायतों से अध्यापकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में संभागियों को मॉकड्रिल एवं स्कूल में होने वाले खतरों पर चर्चा करके उनके समाधान करने की सलाह दी गई।
8. **आपातकालीन राहत दल के साथ बैठकें:** स्कूलों में बच्चों की टीम का गठन करके गांव में किसी भी तरीके की आपदा को समाप्त करने के लिए हमेशा यह टीम तैयार रहेगी। इन बच्चों को आपदा के बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई।

बाल सुरक्षा कार्यक्रम एवं चाइल्डलाइन कार्यक्रम 1098

क्र.स.	गतिविधि का नाम	योग	
		संख्या	लाभार्थी
1	बाल अधिकार विषयक एक दिवसीय कार्यशाला	1	130
2	चाइल्डलाईन 1098 पर स्कूल सत्र	33	1690
3	किशोरी प्रेरणा मंच के पदाधिकारियों का 3 दिवसीय आवासीय जीवन कौशल प्रशिक्षण	4	114
4	किशोर मंचों के ग्रुप लीडर का प्रशिक्षण	53	748
5	मेरी बेटी मेरी शक्ति जागरूकता अभियान में चाइल्डलाईन का प्रचार प्रसार	26	2080
6	सामुदायिक संगठनों के साथ बैठक	28	680
7	बाल सुरक्षा को लेकर ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला	1	70
8	बाल सुरक्षा समितियों के सरकारी कार्मिकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण	4	67
9	बाल सुरक्षा समितियों के बाल प्रतिनिधियों के साथ ब्लॉक स्तरीय बैठक	1	63
10	ग्राम पंचायतों की बैठकों में चाइल्ड लाइन पर सत्र	8	60
11	पुलिस थानों में चाइल्ड लाइन का प्रचार–प्रसार	4	30
12	बाल सुरक्षा समितियों के सुदृढीकरण हेतु 2 दिवसीय कार्यशाला	1	247
13	बाल सुरक्षा पर उरमूल कार्यकर्ता प्रशिक्षण	1	36
14	युवाओं के साथ जे.जे.एक्ट व पोक्सो पर प्रशिक्षण	16	143
15	बाल सुरक्षा पर बाल सुरक्षा समितियों के किशोर व किशोरी सदस्यों का प्रशिक्षण	3	142
16	गांव स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों का प्रशिक्षण	68	1152
17	ग्राम पंचायत व ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के सरकारी कार्मिकों का प्रशिक्षण	13	124
18	ग्राम पंचायत व ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों की बैठकें	70	1310
19	बाल नाट्य कार्यशाला	2	10
20	बाल सुरक्षा पर सर्वे कार्य	60	215

1. **बाल अधिकार विषयक एक दिवसीय कार्यशाला:** माह मार्च 2015 में बाल अधिकार पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 3 गांवों से 130 बच्चों ने भाग लिया। सर्वप्रथम इस कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों में बाल अधिकारों की समझ को विकसित करना और इन बच्चों के माध्यम से गांव के अन्य लोगों तक बाल अधिकारों की जानकारी प्रेषित करना है, जिससे समाज

में बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता आयेगी। इसके बाद प्लान इण्डिया से संदर्भ व्यक्ति रामचन्द्र ने बच्चों को बाल अधिकार और पोक्सो एक्ट 2012 (लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम–2012) की विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही बच्चों को बाल सुरक्षा, चाइल्डलाईन, शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 व बच्चों से सम्बन्धित सरकार की जो योजनायें चल रही है, उनके बारे में जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम के बाद हम अपेक्षा करते हैं कि बच्चे अपने गांव में जाकर गांव के लोगों को बच्चों के उन्नत भविष्य के लिए बाल अधिकारों की जानकारी देंगे, जिससे गांव में बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण किया जा सकेगा।

2. **चाइल्डलाईन 1098 के बारे में स्कूलों में सत्र–**स्कूल सत्र में बच्चों को बताया गया कि प्रतिवर्ष अक्षय तृतीया के अबूझ सावे पर ज्यादा बाल–विवाह होते है। हमें इस बार बाल विवाहों को रोकने के लिये ग्राम स्तर पर अधिक से अधिक प्रयास करके समुदाय को समझाना है कि बाल विवाह बच्चे के समेकित विकास में किस प्रकार बाधक है। अगर गांवों में या आस–पास कहीं बाल–विवाह हो रहा हो तो तुरन्त इसकी सुचना 1098 पर दें।
3. **किशोरी प्रेरणा मंच के पदाधिकारियों का 3 दिवसीय आवासीय जीवन कौशल प्रशिक्षण–**इस प्रशिक्षण में बच्चों को चाइल्डलाईन व बाल अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही बच्चों को जीवन कौशल पर प्रशिक्षण दिया गया।
4. **"मेरी बेटी मेरी शक्ति जागरूकता अभियान" में चाइल्डलाईन का प्रचार प्रसार–**बालिकाओं के अधिकारों को प्राथमिकता देने एवं उनका समाज मे महत्व स्थापित करने के उद्येश्य से कोलायत व खाजूवाला की कुल 40 ग्राम पंचायतों में मेरी बेटी मेरी शक्ति जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्‌देश्य समाज मे ऐसे वातावरण का निर्माण करना, जिसमें बेटियों के महत्व को स्थापित किया जा सके। इस अभियान के दौरान समुदाय के लोगों को चाइल्डलाईन के बारे में जानकारी दी गई।
5. **सामुदायिक संगठनों के साथ बैठक–**इन बैठकों में महिलाओं व बच्चों ने भाग लिया व इन बैठकों में चाइल्ड हैल्प लाइन 1098 के बारे में जानकारी दी गई कि अक्षय तृतीया के अबूझ सावे पर बाल विवाह होते हैं। अतः संगठनों के सदस्य अपने गांव में बाल विवाह को रोकने के लिये समझाईश का काम करें इससे होने वाले सामाजिक व आर्थिक नुकसान एवं बच्चों के विकास के बारे में समुदाय को जानकारी दें।
6. **बाल सुरक्षा को लेकर ब्लॉक स्तरीय कार्यशालाः–**कोलायत में बाल सुरक्षा को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें अलग–अलग गांवों से बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बच्चों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बाल सुरक्षा कार्यक्रम समन्वयक ने बच्चों को मोबाईल के सदुपयोग व दुरूपयोग के बारे में जानकारी दी कि आज के तकनीकी युग में लोग मोबाईल का गलत उपयोग कर रहे हैं।
7. **बाल सुरक्षा समितियों के सरकारी कार्मिकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण–** गांव स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों एवं ग्राम पंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के सदस्यों के साथ सरकारी अधिकारियों के सहयोग से समेकित बाल सुरक्षा योजना के तहत मिल कर कैसे बच्चों को सुरक्षित रख सकते हैं, इस विषय पर बातचीत हुई। गांव स्तर पर स्कूल में बच्चे की सुरक्षा कैसे होती है, शिक्षकों का व शाला प्रबन्धक समिति की क्या भूमिका है। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग में ए.एन.एम बच्चों की सुरक्षा को लेकर कैसे काम करती है तथा 0 से 6 वर्ष के बच्चे के लिए आई.सी.डी.एस. कैसे बच्चों की सुरक्षा को लेकर ध्यान देती है। इसीलिए समेकित बाल सुरक्षा योजना में सभी विभागों को साथ लेकर काम करने की बात कही गई है।
8. **बाल सुरक्षा समितियों के बाल प्रतिनिधियों के साथ ब्लॉक स्तरीय बैठक–** कोलायत में बच्चों के साथ बाल सुरक्षा को लेकर ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला रखी गई जिसमें बाल कल्याण समिति के सदस्यों ने बाल कल्याण समिति के बारे में बताया। प्रत्येक जिले में किशोर व किशोरी गृह बने हुए है उनमें उपेक्षित बच्चों को रखा जाता है। इसके बाद चाइल्ड हैल्पलाईन के बारे में विस्तार से बताया कि अगर कोई भी बच्चा आपको मुसीबत में दिखे तो आप चाइल्डलाईन के नम्बर 1098 पर कॉल करें इसके बाद बच्चों को पोक्सो 2012 (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012) के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि देश में बच्चों के साथ हो रहे लैंगिक अपराध को रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 लागू किया गया है, इस कानून में लड़के–लड़की के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाना, अश्लील चित्र दिखाना, अश्लील कार्यो में बच्चों का उपयोग करना व लैंगिक कार्यो के लिए बच्चों की तस्करी भी अपराध के रुप में शामिल करते हुए कठोर सजा निर्धारित की गई है।

9. **ग्राम पंचायतों की बैठको में चाइल्ड लाइन पर सत्रः–** ग्राम पंचायत की बैठकों में जन प्रतिनिधियों ने भाग लिया । उनकों चाइल्ड लाइन व बाल सुरक्षा समिति के बारें में विस्तार से जानकारी दी गई व इन बैठकों में बच्चों से सम्बन्धित मुद्दों पर चर्चा की गई वबाल विवाह, बाल मजदूरी व स्कुल से ड्राप आउट बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए चर्चा की गई।
10. **ग्राम पंचायत व पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समितियों के सुदृढीकरण व चाइल्ड राईट्स क्लब के प्रभावी संचालन व बाल मैत्री वातावरण निर्माण पर दो दिवसीय कार्यशालाः** दिनांक 18–19 जून 2015 को बीकानेर के राजकीय पशु चिकित्सा व पशु विज्ञान महाविद्यालय ऑडिटोरियम में बाल अधिकारिता विभाग एवं उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू द्वारा यूनीसेफ व प्लान इण्डिया के सहयोग से चाइल्ड राइट्स क्लब के प्रभावी संचालन व बाल मैत्री वातावरण निर्माण पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता बाल अधिकारिता विभाग की निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव श्रीमती हंसा सिंहदेव द्वारा की गई। इस कार्यशाला मे पहले दिन सरपंच, स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ता एवं चाइल्ड राइट्स क्लबों के सदस्यों ने भाग लिया।
11. **गांव स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के प्रशिक्षणः** इस तिमाही में इस गतिविधि में कुल 54 गांवों में 975 लाभार्थियों को गांव स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के कार्यो, बाल विवाह रोकथाम, पोक्सो, जेजे.एक्ट, बाल मजदूरी रोकथाम, 1098 के माध्यम से बच्चों की मदद कैसे की जा सकती है। बाल सुरक्षा समितियों की बैठकें नियमित करने आदि के बारे में विस्तार से चर्चा हुई ।
12. **बाल सुरक्षा समितियों के सरकारी कार्मिकों का एक दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षणः** ये प्रशिक्षण 13 गांवों के में आयोजित किये गये जिसमें 124 लाभार्थी थे। इन प्रशिक्षणों में बाल सुरक्षा समितियों के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर काम करने वाले विभिन्न विभागों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग आदि कैसे बच्चों की सुरक्षा में अपनी भूमिका निभा सकते है तथा वे वर्तमान में अपने अपने कार्य में बाल सुरक्षा को कहां कहां देखते है। इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई।
13. **बाल सुरक्षा समितियों के युवाओं के साथ जे.जे.एक्ट व पोक्सो पर प्रशिक्षण**ः इस माह कुल 16 प्रशिक्षण आयोजित किये गये। जिसमें कुल 143 लाभार्थी थे। इस प्रशिक्षण में पोक्सो व जे.जे.एक्ट के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।
14. **किशोर समूहों के बाल सुरक्षा पर प्रशिक्षणः** इस तिमाही में किशोर व किशोरी बालिकाओं के समूहों को बाल सुरक्षा, बाल सहभागिता, बाल अधिकार के बारे में जानकारी दी गई तथा बाल विवाह रोकथाम, कन्या भ्रूणहत्या रोकथाम, बाल मजदूरी रोकथाम आदि के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। पोक्सो व जे.जे. एक्ट के बारे में बताया गया। इस माह 8 प्रशिक्षण हुए जिसमें कुल 31 गांवों के 661 किशोर बालक बालिकाओं को प्रशिक्षण दिया गया।
15. **बाल सुरक्षा पर बाल सुरक्षा समितियों के किशोर व किशोरी सदस्यों का प्रशिक्षणः** इस तिमाही में कुल 3 प्रशिक्षण हुए जिसमें 142 किशोर किशोरियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में गांव स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों में बच्चों की भूमिका के बारे में बातचीत हुई। पोक्सो, जेजेएक्ट के बारे में बताया गया। 1098 से बच्चों की मदद कैसे की जा सकती है यह भी बताया गया।
16. **ग्राम पंचायत व ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों की बैठकेंः** इस तिमाही में कुल 20 बैठकें की गई जिसमें 560 लोगों ने भाग लिया। बाल सुरक्षा समितियों के कार्यो, बाल विवाह रोकथाम, पोक्सो, जे.जे.एक्ट, बाल मजदूरी रोकथाम, 1098 के माध्यम से बच्चों की मदद कैसे की जा सकती है। बाल सुरक्षा समितियों की बैठकें नियमित करने आदि के बारे में विस्तार से चर्चा हुई।
17. **बाल नाट्य कार्यशाला**ः– दिनांक 24 से 30 दिसम्बर 2015 को बाल सुरक्षा पर दो बाल नाट्य तैयार करवाये गये। इस कार्यशाला में दो गांवों छिला व डण्डकला के 10 बच्चों ने भाग लिया। सात दिन चली इस कार्यशाला में बच्चों ने बीकानेर के रंगकर्मी अशोक जोशी के निर्देशन में बाल विवाह व कन्या भ्रूणहत्या रोकथाम का संदेश देने के लिए नाटकों का मंचन किया। जिसकी प्रस्तुति दिनांक 30 दिसम्बर 2015 उरमूल सीमांत के रंगमंच पर संस्था के कार्यकर्ताओं व आत्मरक्षा प्रशिक्षण में आई बालिकाओं के सामने किया।

पानी पर्यावरण स्वच्छता कार्यक्रम

क्र. सं.	गतिविधि	योग	
		संख्या	लाभार्थी
1	सीबीओ बैठक शौचालय उपयोग व साफ पानी को लेकर	61	1252
2	सीबीओ बैठक परम्परागत जल स्त्रोतों के रखरखाव को लेकर	37	756
3	स्वयं सहायता समूह व परिवार के साथ साफ–सफाई को लेकर नियमित बैठक	36	411
4	वॉश सुविधाओं को लेकर सभी स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों का मूल्याकंन	32	1850
5	स्कूलों में ग्लोबल हैंडवाश डे व विश्व शौचालय दिवस मनाया	34	2920
6	स्कूलों में पानी टंकी निर्माण	2	322
7	ग्राम स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता समिति प्रशिक्षण	2	74
8	किशोर–किशोरी प्रेरणा मंचों व बाल मण्डलों के साथ बैठकें	37	567
9	स्कूलों में स्वच्छता सुविधाओं को लेकर मूल्यांकन	22	1344
10	खुले में शौच मुक्त को लेकर रैली	11	11000
11	स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ स्वच्छता को लेकर नियमित बैठक	37	514

1. **शौचालय उपयोग एवं साफ व सुरक्षित पीने के पानी को लेकर सामुदायिक संगठनों की बैठकें:** समुदाय के लोगों के साथ शौचालय उपयोग नही करने से होने वाली बीमारियों और साफ व सुरक्षित पीने के पानी को लेकर बैठक की गई। इसके अतिरिक्त उन्हें विभिन्न सरकारी पेंशन योजनाओं की जानकारी दी गई। इन बैठकों में समुदाय के सदस्यों को शौचालय के उपयोग व स्वच्छ पेयजल के बारे में जानकारी दी गई व बताया गया कि शौचालय का उपयोग करके कई बीमारियों से बचा जा सकता है। खुले में शौच जाने से होने वाले शारीरिक व सामाजिक प्रभावों के बारे में संभागियों को बताया गया और अपने गांव को खुले में शौच जाने से मुक्त घोषित करने का संकल्प दिलवाया। इसके साथ ही स्वच्छ पेयजल के बारे में लोगों को जानकारी दी गई। गांवों में पारम्परिक जल स्त्रोतों के रखरखाव के बारे में उनसे जानकारी ली गई और पानी के महत्व एवं कल के लिये जल बचाने हेतु प्रेरित किया गया।
2. **परम्परागत जल स्त्रोतों के रख रखाव को लेकर सामुदायिक संगठनों की बैठकें::** इन बैठकों में समुदाय के लोगों के साथ परम्परागत जल स्त्रोतों के रख रखाव को लेकर चर्चा की गई ताकी वे बारिश के पानी को इकट्ठा करके सिंचाई और अन्य उपयोग में लायें। इसके साथ ही पानी की बचत और इसके सदुपयोग हेतु जानकारी दी गई।
3. **स्वयं सहायता समूहों व परिवार के साथ साफ–सफाई को लेकर नियमित बैठक:** 36 बैठकें स्वंय सहायता समूह और परिवारों के साथ की गई, जिनमें उन्हें हाथों की स्वच्छता, शौचालय उपयोग व साफ पानी के उपयोग की जानकारी दी गई। इन बैठकों में बताया गया कि यदि हम इन आदतों को दैनिक जीवन में अपनाऐंगें तो बीमार नहीं होंगे।
4. **वॉश सुविधाओं को लेकर सभी स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों का मूल्यांकन:** स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों मे वॉश सुविधाओं को लेकर मूल्यांकन किया गया, जिसमें शौचालय उपयोग, शौचालय में पानी की व्यवस्था व साफ पानी की स्थिति का मूल्याकंन किया गया। इसके साथ ही प्रधानाचार्य से इन व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई।
5. **स्कूलों में ग्लोबल हैंडवाश डे व विश्व शौचालय दिवस मनाया:** कुल 18 स्कूलों मे ग्लोबल हैंडवाश डे मनाया गया, जिसमें बच्चों से पोस्टर प्रतियोगिता भी करवाई गई। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य छात्रों व अध्यापकों को इस विशेष दिन के महत्व को बताना व इसका प्रचार करना था, जिससे बच्चे घरों व समुदाय में इसके महत्व को बतायें। इसके साथ ही 16 स्कूलों में विश्व शौचालय दिवस मनाया गया, जिसमें स्कूलों मे बच्चों के साथ पोस्टर प्रतियोगिता करवाई गई व बच्चों ने समुदाय में रैली के द्वारा भी लोगों को घरों में शौचालय उपयोग के लिये जागरूक किया।
6. **स्कूलों मे पानी टंकी का निर्माण:** राजकीय माध्यमिक विद्यालय, ग्रांधी व राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, मंडाल भाटियान मे पानी की टंकी का निर्माण करवाया गया, जिसमें 5000 हजार रूपये की सहयोग राशि प्रति स्कूल को उरमूल प्लान बज्जू द्वारा तथा शेष राशि जनसहयोग व विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा दी गई। टोंटी वाली इस टंकी का निर्माण करवाने का मुख्य उद्देश्य यह था कि इससे बच्चों को पीने के लिए साफ व सुरक्षित पानी मिले।

7. **ग्राम स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता समिति प्रशिक्षणः** 2 दिवसीय ग्राम स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता समिति का प्रशिक्षण भेलू व हंदा गांव में करवाया गया, जिसमें गांवों में शिशु व मातृ मृत्यु न हो, संस्थागत प्रसवों में वृद्धि हो, स्वच्छ पेय जल और प्रत्येक घर में शौचालय व उसके उपयोग की सुनिश्चिता हो इस पर चर्चा कर कार्ययोजना बनाई गई। साथ ही इस समिति के उद्देश्य व इसके सदस्यों की जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई।
8. **किशोर–किशोरी प्रेरणा मंचों व बाल मण्डलों के साथ बैठकें**: इन बैठकों में प्रेरणा मंच के सदस्यों को गांवों की साफ सफाई व पानी के बारे में चर्चा की गई। इसके साथ यह भी बताया गया कि कैसे वह इस मंच के माध्यम से सशक्त तरीके से अपनी बात रख सकती है व शिक्षा के द्वारा आत्मनिर्भर बन सकती है। इसके साथ ही गन्दे पानी से होने वाली बीमारियों एवं उनसे बचाव के बारे में बताया गया। इन सदस्यों को अपने गांव की साफ सफाई व स्वच्छ पेयजल के बारे में लोगो को जागरूक करने की जिम्मेदारी दी गई।
9. **स्कूलों में स्वच्छता सुविधाओं को लेकर मूल्यांकन**: इस तिमाही के दौरान स्वच्छता, शौचालय व पानी की सुविधाओं को लेकर मूल्यांकन किया गया। इस मूल्यांकन में शाला प्रबन्धन समिति के सदस्यों, अध्यापकों व बच्चों ने भाग लिया।
10. **खुले में शौच मुक्त को लेकर रैली**: कुल 11 गांवों में खुले में शौच जाने से मुक्त करने के लिये बच्चों के साथ जागरूकता रैलियों का आयोजन किया गया। रैली में स्लोगन, नारों के माध्यम से समुदाय को जागरूक किया गया।
11. **स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ स्वच्छता को लेकर नियमित बैठकः** स्वयं सहायता समुहों की महिलाओं के साथ स्वच्छता को लेकर नियमित बैठक की गई जिसमें शौचालय का प्रयोग, साबुन से हाथ धोकर भोजन करने व पानी की स्वच्छता की जानकारी दी गई। इसके अलावा महिलाओं को खुले में शौच जाने से होने वाली बीमारियों व महिलाओं के सम्मान के बारे में जानकारी दी गई। सम्भागियों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं जैसे– विधवा पेन्शन, वृद्धावस्था पेन्शन योजना व पालनहार योजना के बारे में जानकारी दी गई।

स्पोन्सशिप कार्यक्रम

	अप्रैल 2015 कम्यूनिकेशन विवरण			
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	199	195	4
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	8	8	0
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	16	16	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	9	9	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	45	44	1
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	63	63	0
	फेयरवैल लेटर	10	10	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	120	120	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	3	3	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	5	5	0
	कुल	**478**	**473**	**5**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**12**		
मई 2015 कम्यूनिकेशन विवरण				
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	38	38	0
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	3	3	0
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	24	24	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	2	2	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पैरेन्ट कम्यूनिकेशन	3	3	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	11	11	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	150	150	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	6	6	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	7	7	0
	कुल	**244**	**244**	**0**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**15**		
जून 2015 कम्यूनिकेशन विवरण				
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	761	752	9
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	59	58	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	14	14	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	2	2	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पैरेन्ट कम्यूनिकेशन	4	4	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	8	8	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	242	242	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	11	11	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	0	0	0
	कुल	**1101**	**1091**	**10**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**0**		

	जुलाई 2015 कम्यूनिकेशन विवरण			
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	843	802	41
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	76	72	4
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	15	15	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	4	4	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	7	7	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	0	0	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	0	0	0
	कुल	**945**	**900**	**45**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**12**	
	अगस्त 2015 कम्यूनिकेशन विवरण			
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	385	360	25
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	12	11	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	10	10	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	2	2	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	119	119	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	7	7	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	7	7	0
	कुल	**545**	**519**	**26**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**10**	
	सितम्बर 2015 कम्यूनिकेशन विवरण			
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	144	121	23
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	3	2	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	8	7	1
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	0	0	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	51	50	1
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	233	233	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	10	10	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	64	64	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	2	2	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	12	12	0
	कुल	**527**	**501**	**26**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**6**	

	अक्टूबर 2015 कम्यूनिकेशन विवरण			
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	235	204	31
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	9	8	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	9	9	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	7	7	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	2	2	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	10	10	0
	फेयरवैल लेटर	3	3	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	375	375	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	1	1	0
	कुल	**651**	**619**	**32**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**12**		
	नवम्बर 2015 कम्यूनिकेशन विवरण			
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	54	50	4
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	3	3	0
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	9	9	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	2	2	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	2	2	0
	फेयरवैल लेटर	2	2	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	21	21	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	8	8	0
	कुल	**101**	**97**	**4**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**9**		
	दिसम्बर 2015 कम्यूनिकेशन विवरण			
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	74	71	3
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	1	1	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	7	7	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	24	24	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	91	91	0
	फेयरवैल लेटर	2	2	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	132	132	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	5	5	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	1	1	0
	कुल	**337**	**334**	**3**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड	**0**		
जनवरी 2016 कम्यूनिकेशन विवरण				
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	110	106	4
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	5	4	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	12	12	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	0	0	0

	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	4	4	0
	फेयरवैल लेटर	5	5	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	187	187	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	17	17	0
	कुल	**340**	**335**	**5**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**12**	
फरवरी 2016 कम्यूनिकेशन विवरण				
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	119	114	5
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	5	4	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	10	10	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	28	28	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	42	42	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	6	6	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	29	29	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	5	5	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	15	15	0
	कुल	**262**	**256**	**6**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**20**	
मार्च 2016 कम्यूनिकेशन विवरण				
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	43	41	2
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	8	7	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	9	9	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	2	2	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	1	1	0
	फेयरवैल लेटर	18	18	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	58	58	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	16	16	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	5	5	0
	कुल	**163**	**160**	**3**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**77**	